

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र



कार वापस मांगने पर भड़का दामाद, जालंधर में साथियों संग... पेज: 6

क्या टूटने से बचा चीची का रिश्ता ? पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 217 | बुधवार 11 नवम्बर 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

चुनाव आयोग का निर्देश : सेवानिवृत्त अधिकारी भी आचार संहिता के दायरे में

नई दिल्ली, एजेंसी। विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में राज्य सरकारों द्वारा नियुक्त सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारियों पर आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के प्रतिबंध लागू कर दिए हैं। इन पांचों राज्यों के मुख्य सचिवों और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को लिखे पत्र में, चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि कार्यरत सरकारी कर्मचारियों पर लागू होने वाली सभी पाबंदियां और रोक, राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों द्वारा काम पर रखे गए सेवानिवृत्त अधिकारियों और अन्य व्यक्तियों पर भी लागू होंगी। चुनाव आयोग ने अधिकारियों से किसी भी चुनाव प्रचार या वोट मांगने के काम में हिस्सा न लेने की स्पष्ट अपेक्षा की है। उन्हें विशेष रूप से यह ध्यान रखने को कहा गया है कि वे किसी एक व्यक्ति, राजनीतिक दल या समूह की मदद करने के लिए अपने नाम, आधिकारिक पद या अधिकार का दुरुपयोग न करें। चुनाव आयोग ने याद दिलाया कि आदर्श आचार संहिता के नियम उन सभी संगठनों, समितियों, निगमों और आयोगों पर लागू होते हैं जिन्हें सरकार से पूरी या आंशिक फंडिंग मिलती है, और ये नियम उनके कर्मचारियों पर भी प्रभावी होते हैं। इसके अतिरिक्त, राज्यों में लागू आचरण नियम पहले से ही सरकारी कर्मचारियों को राजनीतिक गतिविधियों और चुनावों में भाग लेने से रोकते हैं। आयोग के वरिष्ठ अधिकारी लगातार चुनाव की तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। माना जा रहा है कि आयोग जल्द ही इन राज्यों में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर सकता है, जैसा कि 2022 में 8 जनवरी के आसपास हुआ था।

राष्ट्रीय महिला आयोग को मिलीं सालाना लाखों शिकायतें : घरेलू हिंसा शीर्ष पर

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) को हर साल करीब 1.5 लाख शिकायतें मिलती हैं, जिसमें घरेलू हिंसा से जुड़े मामले सर्वाधिक होते हैं। यह जानकारी महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने दी। उन्होंने बताया कि महिलाएं आयोग के ऑनलाइन पोर्टल, प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस), ईमेल, व्यक्तिगत रूप से या 24 घंटे की हेल्पलाइन के जरिए अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। महिला आयोग की अध्यक्ष रहाटकर ने बताया कि किसी भी महिला को शिकायत का तरीका न पता होने के कारण एनसीडब्ल्यू से संपर्क करने में कोई कठिनाई महसूस नहीं होनी चाहिए। आयोग की जनसंपर्क पहल राष्ट्रीय महिला आयोग आपके द्वार का जिक्र कर रहाटकर ने बताया कि इसके तहत आयोग विभिन्न राज्यों में जनसुनवाई करता है। इसका उद्देश्य उन महिलाओं तक पहुंचना है जिन्हें आयोग तक आने में मुश्किल होती है। उन्होंने कहा, हम लोगों ने तय किया है कि अगर ये महिलाएं हमारे पास नहीं आ सकतीं, तब हम उनके पास जाएंगे। अध्यक्ष का पद संभालने के बाद पिछले डेढ़ साल में देशभर में 200 से अधिक प्रत्यक्ष जनसुनवाई आयोजित की गई हैं। रहाटकर ने देशभर की महिलाओं से कहा है कि राष्ट्रीय महिला आयोग उन्हें अपने मायके जैसा लगना चाहिए, जहाँ संपर्क करने में किसी तरह का डर या झिझक न हो।

मैंगलोर पादरी पर नाबालिगों से यौन शोषण का दूसरा केस दर्ज

मंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के मंगलुरु में 65 वर्षीय कैथोलिक पादरी साइप्रियन पिंटो पर नाबालिग लड़के के यौन शोषण के आरोप में दूसरा मामला दर्ज हुआ है। पुलिस ने बताया कि पादरी के खिलाफ यह शिकायत 13 वर्षीय लड़के के साथ कथित यौन उत्पीड़न को लेकर मंगलुरु महिला पुलिस थाने में दर्ज हुई है। शिकायत के मुताबिक, परमन्नूर गांव निवासी यह लड़का एक गिरिजाघर में रविवार की प्रार्थना में शामिल होता था और कथित घटना उसी दौरान हुई जब वह चर्च से जुड़ा हुआ था। पादरी साइप्रियन पिंटो पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 75(2) (यौन उत्पीड़न) और पॉक्सो अधिनियम की धारा आठ और 12 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

सोनिया गांधी की किताब पर भाजपा का हमला: आपातकाल पर पर्दा डालने का आरोप

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की नई किताब 'बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव' पर तीखा हमला किया है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि इस पुस्तक में 1975 में लगे आपातकाल को 'सही ठहराने' और नेहरू-गांधी परिवार की ऐतिहासिक गलतियों पर पर्दा डालने की कोशिश हुई है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी आर केसवन ने पोस्ट में कहा कि पुस्तक का शीर्षक 'व्हाइटवॉशिंग' होना चाहिए था, क्योंकि इसका उद्देश्य कांग्रेस द्वारा किए गए गंभीर अपराधों को छिपाना है। यह टिप्पणी तब आई है जब सोनिया गांधी की यह किताब बाजार में आई है, जिसमें उन्होंने आपातकाल को एक गलती बताया है। सोनिया गांधी ने लिखा है कि उन्हें लगता है कि उनकी सास और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भी बाद में ऐसा ही महसूस हुआ था। उन्होंने कहा कि अगर संजय गांधी को



'नियंत्रण में' रखा गया होता, तब आपातकाल के दौरान हुए नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता था।

बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसवन ने सोनिया गांधी पर दोहरे मापदंड का आरोप लगाकर कई सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि सोनिया गांधी बाबरी मस्जिद के लिए रोई थीं, लेकिन क्या उन्होंने 1984 के सिख नरसंहार के दौरान या बाटला हाउस के आतंकियों के लिए बिलखने के बजाय देश की रक्षा में शहीद हुए सीआरपीएफ के वीर जवानों के लिए आंसू बहाए? उन्होंने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों में मारे गए निर्दोष लोगों के लिए सोनिया गांधी के न रोने पर सवाल उठाया और पूछा कि उनकी किताब कांग्रेस नीत संप्रग सरकार की जवाबी कार्रवाई करने में विफलता का जवाब क्यों नहीं देती।

भाजपा प्रवक्ता ने आपातकाल को 'सही ठहराने' और 'सामान्य घटना' बताने की कोशिश को अत्यंत चिंताजनक बताया, क्योंकि आपातकाल ने 'संविधान की हत्या' की थी और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को छीन लिया था। उन्होंने कांग्रेस के करीब 55 वर्षों के शासन को भारतीय राजनीति और लोकतंत्र को अपूरणीय क्षति पहुँचाने वाला बताया। बीजेपी नेता केसवन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए 'ऐतिहासिक पापों और गलतियों' को प्रभावी ढंग से सुधारा है।

डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया से मनमुटाव की खबरों को किया खारिज

बेंगलुरु , एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के साथ राजनीतिक मतभेद की अफवाहों का खंडन किया है। अपनी पोस्ट में सीएम शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि उनके और सिद्धारमैया के बीच कोई बड़ा या छोटा विवाद नहीं है, बल्कि कुछ लोग जानबूझकर ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं जैसे दोनों नेताओं के बीच कोई दरार पैदा हो गई हो। उन्होंने कहा, सिद्धारमैया हमारे नेता हैं। कुछ लोग, जिसमें महास्वामीजी भी शामिल हैं, मीडिया में इस बात को अलग तरह से पेश कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सिद्धारमैया से उनकी हालिया मुलाकात स्थानीय निकाय चुनावों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा और त्यौहार की शुभकामनाएं देने के लिए हुई थी। इस बीच, शिवकुमार ने महत्वपूर्ण घोषणा कर बताया कि सरकार 2008 से पहले अधिग्रहित जमीन पर



बनी संपत्तियों को नियमित करने के लिए धारा 38बी के तहत लगने वाले शुल्क में 50 प्रतिशत की कटौती करेगी। इस फैसले से करीब 100,000 संपत्ति मालिकों को बड़ी राहत मिलेगी, जो अब अपने स्वामित्व के दस्तावेज आसानी से प्राप्त कर सकते है। उन्होंने बताया कि यह बदलाव इसलिए किया गया क्योंकि पिछली व्यवस्था के तहत केवल 600 लोगों ने ही आवेदन किया था, जबकि लाखों लोगों को इसका लाभ मिल सकता था। इसके पहले, 10 नवंबर को मुख्यमंत्री शिवकुमार ने लोक भवन में राज्यपाल सुधा यादव से मुलाकात की और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस मुलाकात को सुखद बताया और राज्यपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार तथा आतिथ्य के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

समाज को तोड़ने वाली ताकतों से रहें सावधान-होसबाले

मथुरा , एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि वर्तमान में समाज को तोड़ने वाली और आपसी नफरत की भावना को बढ़ाने वाली ताकतों से सतर्क रहने की आवश्यकता है। समाज को इस प्रकार के विखंडन से बचाने के लिए एक सकारात्मक एवं संगठित शक्ति का होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि भारत का यह दायित्व है कि वह ऐसा अनुकरणीय जीवन जीकर पूरे विश्व के सामने एक मिसाल पेश करे, जिससे संपूर्ण मानवता मार्गदर्शन प्राप्त कर सके। तभी भारत विश्व गुरु कहाएगा। देश को कोई वैश्विक संगठन विश्व गुरु की उपाधि नहीं देगा। देशवासियों के आचरण और व्यवहार से वह विश्वगुरु कहा जाएगा। वृंदावन के केशव धाम में अन्नकूट प्रसादम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के दौरान परिसर के सभागार में उन्होंने विद्यार्थियों और उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए समाज में एकता,



समरसता और शिक्षा के महत्व पर अपने विचार साझा किए। सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि केशव धाम से शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं अपने जीवन में सार्थक भूमिका निभाएं। उन्होंने आज के समय में सामाजिक समरसता की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। समारोह के मुख्य आकर्षणों में केशव धाम में अध्ययनरत प्रतिभावान और मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान रहा। उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए इन विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनका उत्साहवर्धन हुआ। सभागार के मुख्य कार्यक्रम के उपरांत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने केशव धाम परिसर में ही गोबर से निर्मित गोवर्धन महाराज (गिरिराज जी) की प्रतिमा की विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की और प्रदेश व देश की सुख-समृद्धि की कामना की।

छठ महापर्व: बिहार के घाटों पर पटाखे और निजी नावों पर प्रतिबंध

सुरक्षा हेतु यूएमआरटी मुस्तैद

पटना , एजेंसी। बिहार में 13 से 16 नवंबर, 2026 तक मनाए जाने वाले छठ महापर्व के दौरान संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए राज्य सरकार ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर आपदा प्रबंधन विभाग ने सभी जिला पदाधिकारियों को सुरक्षा एवं आपदा की रोकथाम के लिए व्यापक पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इस दौरान घाटों पर पटाखों की बिक्री और उपयोग के साथ-साथ निजी नावों के संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

पत्र में स्पष्ट किया गया है कि छठ महापर्व के दौरान होने वाली संभावित दुर्घटनाओं, विशेषकर डूबने की घटनाओं, भगदड़ एवं अन्य आपात स्थितियों की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी की जाएं। इसके लिए पहले से जारी दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।



मुख्य निर्देशों में सभी खतरनाक नदी घाटों और तालाबों को चिह्नित कर उनकी व्यापक बैरिकेडिंग शामिल है, ताकि श्रद्धालु गहरे पानी में प्रवेश न कर सकें। इन घाटों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षाबलों और स्वयंसेवकों की तैनाती की जाएगी। चिकित्सा व्यवस्था के तहत, सभी प्रमुख घाटों पर डॉक्टर, पैरामेडिकल टीमें और एम्बुलेंस के साथ-साथ त्वरित चिकित्सा सहायता के लिए क्विक मेडिकल रिस्पॉन्स टीम (क्यूएमआरटी) की तैनाती होगी।

जलस्रोतों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षित गोताखोरों, तैराकों और मोटरबोट चालकों को लाइफ जैकेट व अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ तैनात किया जाएगा। उनकी पहचान के लिए विशेष जैकेट भी उपलब्ध कराए जाएंगे। सभी छठ घाटों और वहां तक पहुंचने वाले रास्तों पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की जाएगी, और बिजली के उपकरणों की अग्रिम जांच की जाएगी ताकि करंट से दुर्घटना न हो।

एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, 13 से 16 नवंबर तक नदी घाटों और तालाबों के समीप पटाखों की बिक्री एवं उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। ऐसा भगदड़ और अन्य गंभीर दुर्घटनाओं की आशंका को देखकर किया गया है। साथ ही, नहाय-खाय से लेकर सुबह के अर्घ्य तक निजी नावों के परिचालन पर भी रोक रहेगी, जिसकी निगरानी के लिए घाटों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल तैनात होगा।

जिला नियंत्रण कक्षों का निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जाएगा, जहां महत्वपूर्ण दूरभाष नंबर उपलब्ध होगा और लाउडस्पीकर के माध्यम से लगातार सुरक्षा संबंधी संदेश प्रसारित किए जाएंगे। आपदा प्रबंधन विभाग ने सभी जिलों को छठ समितियों के साथ बैठक कर उन्हें प्रशिक्षित करने और आवश्यक समन्वय स्थापित करने का भी निर्देश दिया है, ताकि यह महापर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से संपन्न हो सके।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में पुराने वाहनों पर राज्यों से मांगी रिपोर्ट, 23 नवंबर को सुनवाई

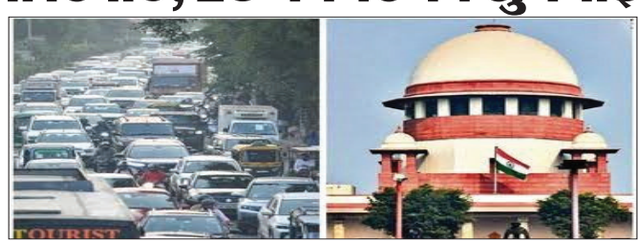
नई दिल्ली , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में तेज वृद्धि पर गहरी चिंता व्यक्त कर तत्काल हस्तक्षेप की जरुरत जाहिर की है। शीर्ष अदालत ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा की सरकारों के साथ-साथ दिल्ली नगर निगम और दिल्ली पुलिस को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में निर्धारित समय सीमा पार कर चुके वाहनों के प्रवेश और संचालन को रोकने के लिए उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी देने का कह दिया है।

शीर्ष न्यायालय ने संबंधित प्राधिकरणों से पूछा है कि वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम करने और बिगड़ती वायु गुणवत्ता में इसके योगदान को कम करने के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक स्तर पर कौन से नए उपाय प्रस्तावित हैं या किन पर विचार हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) संबंधी आवश्यकताओं का पालन सुनिश्चित करने सहित निर्धारित उत्सर्जन मानकों का पालन नहीं करने वाले वाहनों की पहचान, निगरानी और नियंत्रण के लिए मौजूदा कदमों की जानकारी भी मांगी है।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने दिल्ली और एनसीआर में वाणिज्यिक एवं गैर-वाणिज्यिक वाहनों के प्रवेश और आवाजाही को नियंत्रित करने वाले मौजूदा नियामक ढांचे और नियमों को लागू करने की व्यवस्था के बारे में जानकारी देने का निर्देश दिया। विशेष रूप से पड़ोसी राज्यों से आने वाले वाहनों पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है।

यह आदेश शीर्ष अदालत ने एनसीआर में वायु प्रदूषण पर स्वतः संज्ञान लेकर शुरू की गई सुनवाई के दौरान 6 नवंबर को दिया था। पीठ ने बताया कि हालांकि दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में पराली जलाने की घटनाओं में कमी आई है, जो एक सराहनीय पहल है, लेकिन इन्हीं आंकड़ों से वाहनों से होने वाले उत्सर्जन के कारण उत्पन्न समस्याओं में तेज वृद्धि एक गंभीर चिंता के रूप में सामने आई है। शीर्ष न्यायालय ने जोर दिया कि दिल्ली और एनसीआर भौगोलिक तथा आर्थिक रूप से एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं, जिसके कारण इन क्षेत्रों को न केवल अपनी सीमाओं के भीतर चलने वाले वाहनों, बल्कि पड़ोसी राज्यों से आने वाले वाहनों की आवाजाही का संयुक्त रूप से बोझ उठाना पड़ता है। बड़ी संख्या में वाणिज्यिक और गैर-वाणिज्यिक वाहनों के प्रवेश से वाहनों से होने वाले उत्सर्जन का मौजूदा बोझ और भी बढ़ जाता है, जिस पर तत्काल हस्तक्षेप की जरुरत है।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने संबंधित प्राधिकारियों से एनसीआर में निर्धारित अवधि से अधिक पुराने या नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहनों के प्रवेश और संचालन पर रोक लगाने के लिए उठाए गए कदमों और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के



खिलाफ की गई कार्रवाई का पूरा ब्यौरा भी मांगा है। इसके अतिरिक्त, न्यायालय ने अंतरराज्यीय वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने और उत्सर्जन मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली तथा पड़ोसी राज्यों के अधिकारियों के बीच मौजूदा समन्वय व्यवस्था के साथ-साथ प्रस्तावित विशेष उपायों और उन्हें लागू करने की समयबद्ध कार्ययोजना की जानकारी मांगी। शीर्ष न्यायालय ने राज्यों को दो सप्ताह के भीतर अपने जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। दिल्ली-एनसीआर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन और प्रदूषण से संबंधित महत्वपूर्ण मामले को 23 नवंबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

पश्चिम बंगाल में गुंडाराज समाप्त: मिथुन चक्रवर्ती का दावा

कोलकाता, एजेंसी । अनुभवी अभिनेता और राजनेता मिथुन चक्रवर्ती ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल में गुंडाराज यानी भीड़ का शासन हमेशा के लिए समाप्त हुआ है। दिवाली समारोह के दौरान मीडिया से बात कर उन्होंने राज्य में विपक्ष द्वारा भीड़ के शासन के बढ़ने के दावों का स्पष्ट रूप से खंडन किया। अभिनेता और राजनेता चक्रवर्ती ने कहा कि विपक्ष के पास अब कोई ठोस मुद्दा नहीं है, इसलिए वे भीड़ के शासन का मुद्दा उठा रहे हैं।

उन्होंने सवाल किया, हम लोगों ने 15 साल तक क्या सहा है? मैं इसके बारे में क्या कह सकता हूं? वे कह रहे हैं कि गुंडे राज कर रहे हैं। क्या आपने कभी ऐसी आजादी देखी है? आप सवाल क्यों उठा रहे हैं? यह होना ही है। यह दिखाता है कि वह मौजूदा स्थिति को पहले से बेहतर मानते हैं। राजनेता चक्रवर्ती ने विपक्ष पर हमला कर कहा कि उनके लिए अब कुछ नहीं बचा है, और कालीघाट तृणमूल जैसी चीजें खत्म हो गई हैं। उन्होंने कहा, सब खत्म



हो गया है, महोदय।

हालांकि, उनका यह बयान राज्य में बढ़ती भीड़ हिंसा के दावों के बीच आया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पश्चिम मेदिनीपुर और दक्षिण 24 परगना जैसे ग्रामीण इलाकों में भीड़ द्वारा धमकाने, चर्चों में तोड़फोड़ और अंतिम संस्कार के अधिकारों से वंचित करने जैसे उत्पीड़न के कई मुद्दे उठाए हैं।

उल्लेखनीय है कि जिस 15 साल के भीड़तंत्र के दौर की वह आलोचना कर रहे हैं, तभी लगभग तीन साल तक वे स्वयं टीएमसी के सदस्य रहे थे। 7 फरवरी, 2014 को उन्हें तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने टीएमसी की ओर से राज्यसभा सांसद के लिए नामांकित किया था, और उन्होंने 26 दिसंबर, 2016 को पद से इस्तीफा दिया। इसके बाद वे 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कैलाश विजयवर्गीय की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए।

एक राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में, मिथुन चक्रवर्ती ने वामपंथी से लेकर दक्षिणपंथी तक के सभी वैचारिक पहलुओं को छुआ है। युवावस्था में नक्सलबाड़ी आंदोलन से जुड़ने के बाद, उन्होंने भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) से स्नातक किया, एक सुपरस्टार बने और बाद में मध्य-वामपंथी टीएमसी से होकर अब दक्षिणपंथी भाजपा का हिस्सा हैं।

नोटबंदी से नक्सलवाद और आतंकवाद की कमर टूटी, अर्थव्यवस्था मजबूत हुई : भाजपा

भुवनेश्वर , एजेंसी । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओडिशा इकाई ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 2016 में की गई नोटबंदी ने देश में आतंकवाद और नक्सलवाद पर अंकुश लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है, साथ ही अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है। बीजेपी पार्टी प्रवक्ता सत्यव्रत पांडा ने नोटबंदी के प्रभावों पर प्रकाश डालकर कहा कि इस फैसले से चरमपंथी संगठनों तक नकदी पहुंचने का रास्ता अवरुद्ध हुआ और जाली नोट बेकार हुए। उनका कहना है कि नोटबंदी के योगदान को उचित मान्यता मिलनी चाहिए। बीजेपी प्रवक्ता पांडा ने दावा किया कि नोटबंदी के बाद विभिन्न माओवादी समूहों से करीब 97.75 लाख रुपये जब्त किए, और ओडिशा में नक्सलियों द्वारा जमीन में दबाकर रखी गई अमान्य मुद्रा भी बड़ी मात्रा में मिली। उन्होंने कहा कि नक्सली हिंसा की घटनाओं में भारी कमी आई है; 2010 में जहां 1,936 घटनाएं दर्ज की गई थीं, वहीं अब कोई भी जिला माओवाद प्रभावित क्षेत्रों की सूची में नहीं है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमलों की संख्या में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है।

सोनिया की किताब पर रॉबर्ट वाड्रा: मुझे उन पर गर्व है

नई दिल्ली, एजेंसी । कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की किताब बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव को लेकर सियासी गलियारों में काफी चर्चा है। इस किताब पर उनके दामाद रॉबर्ट वाड्रा का बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने अपनी सास के प्रति गहरा सम्मान और गर्व व्यक्त किया है। सोनिया गांधी के दामाद वाड्रा ने कहा कि उन्हें सोनिया गांधी और उनके जीवन के सफर पर बहुत गर्व है, जिसमें उन्होंने प्यार, साहस, हिम्मत और मजबूती की एक असाधारण मिसाल बताया। उन्होंने जोर दिया कि सोनिया गांधी ने जीवन में बहुत कुछ झेला है, फिर भी वे पूरी गरिमा और दृढ़ विश्वास के साथ मजबूती से खड़ी हैं, और उनकी कहानी से हर महिला प्रेरणा ले सकती है। रॉबर्ट वाड्रा के अनुसार, यह किताब एक गहरे प्यार की कहानी है, जिसने भारत के लिए सोनिया गांधी के समर्पण और लगन को आकार दिया है। उन्होंने बताया कि भले ही उन्हें अभी तक यह किताब पढ़ने का मौका नहीं मिला है, लेकिन उन्हें विश्वास है कि इसमें सोनिया गांधी के जीवन, अनुभवों और विचारों को लेकर बहुत गहरी और ईमानदार बातें साझा की गई हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जीजा वाड्रा ने लोगों से आग्रह किया कि वे इस किताब को पढ़ें और सोनिया गांधी के अपने शब्दों और उनकी तरफ से साझा की गई कहानी के आधार पर अपनी राय बनाएं।

किताब में सोनिया गांधी ने कई निजी पल साझा किए हैं, जिसमें उन्होंने अपने पति राजीव गांधी से जुड़ी घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने लिखा है कि इंदिरा गांधी की हत्या वाले दिन राजीव ने उन्हें बताया था कि वे प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। यह सुनते ही सोनिया को ऐसा लगा था जैसे किसी ने उनके दिल में छुरा घोंप दिया हो, क्योंकि उन्हें राजीव की चिंता होने लगी थी। राजीव गांधी ने बताया था कि लोग उन्हें भी मार देने वाले है। किताब में 31 अक्टूबर 1984 के उस दुखद दिन का भी वर्णन है, जब इंदिरा गांधी की उनके ही अंगरक्षकों ने हत्या कर दी थी। सोनिया गांधी ने लिखा कि वे घर के बगल वाले दफ्तर के लिए अपनी सास के निकलने के बाद नहाने ही वाली थीं कि उन्हें धमाकों जैसी आवाजें सुनाई दीं, जिससे वे ठिठक गईं।

2 सब का सपना
हिंदी दैनिक
विचार मंथन
अमरोहा
बुधवार 11 नवम्बर 2026
www.sabkasapna.com

बदलाव का जरिया बन सकेगी रामलीला मैदान की रैली



उमेश चतुर्वेदी

केंद्रीय सत्ता पर नरेंद्र मोदी के काबिज होने के बाद विपक्षी दल बदलाव के प्रतीक माने जाने वाले रामलीला मैदान पर पांच और रैलियां आयोजित कर चुके हैं। हर रैली में मोदी को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया गया। लेकिन कुछ-एक राज्यों की सत्ता को छोड़ दें तो विपक्षी दलों की रैलियां 1977 की तरह कामयाब नहीं रहीं।

सत्ता के खिलाफ विपक्षी दल जब भी रामलीला मैदान में रैली करते हैं, उनकी स्मृति में सात फरवरी 1977 की तारीख होती है। आपातकाल के बाद दिल्ली की उतरती ठंड के बीच जेपी के नाम से विख्यात जयप्रकाश नारायण की अगुआई में हुई रैली में ही सत्ता परिवर्तन के बीज पड़े थे। इसे संयोग ही कहेंगे कि करीब आधी सदी बाद इसी रामलीला मैदान में आयोजित रैली के किरदार बदले हुए थे। 1977 में जिस रैली के निशाने पर कांग्रेस थी, करीब पांच दशक बाद की रैली में कांग्रेस बदली हुई भूमिका में रही। इंदिरा के पोते राहुल गांधी की अगुआई में हुई 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली में निशाने पर वह भारतीय जनता पार्टी रही, जो तब जेपी की अगुआई में इंदिरा के खिलाफ खड़ी थी। यह बताने की जरूरत नहीं कि इसके कुछ ही दिनों बाद हुए आम चुनावों में सर्वशक्तिमान मानी जाने वाली इंदिरा गांधी की सत्ता का शिराजा बिखर गया था। ऐसे में सवाल यह उठना लाजमी है कि क्या राहुल की अगुआई वाली रामलीला मैदान की रैली देश की सत्ता को बदलने में कामयाब हो पाएगी? सवाल यह भी है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने पद से हटने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

केंद्रीय सत्ता पर नरेंद्र मोदी के काबिज होने के बाद विपक्षी दल बदलाव के प्रतीक माने जाने वाले रामलीला मैदान पर पांच और रैलियां आयोजित कर चुके हैं। हर रैली में मोदी को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया गया। लेकिन कुछ-एक राज्यों की सत्ता को छोड़ दें तो विपक्षी दलों की रैलियां 1977 की तरह कामयाब नहीं रहीं। हालांकि सरकार को अपने कुछ कदम जरूर पीछे खींचने पड़े। नरेंद्र मोदी के सत्ता में आए अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था, जब 19 अप्रैल 2015 को कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने %किसान-खेत मजदूर% रैली आयोजित की थी। मोदी सरकार द्वारा लाए गए %भूमि अधिग्रहण अध्यादेश% के विरोध में आयोजित इस रैली के बाद सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े थे। कांग्रेस की ही अगुआई में विपक्षी दलों ने 14 दिसंबर 2019 को इसी रामलीला मैदान में %भारत बचाओ% रैली की थी। जिसका मकसद, देश की आर्थिक स्थिति, गिरते जीडीपी, बेरोजगारी और नागरिकता संशोधन कानून जैसे मुद्दों पर मोदी सरकार को घेरना रहा। इस रैली का असर यह हुआ कि नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ देश के कई हिस्से महीनों तक आंदोलनरत रहे।

कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने रामलीला मैदान में चार सितंबर 2022 को %महंगाई पर हल्ला बोल% रैली के जरिए मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की। इस रैली में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी लगाने का विरोध किया गया। 'वोट बचाओ, देश बचाओ'



रैली में राहुल गांधी के भाषण की खूब चर्चा है। कुछ इसी तरह इस रैली में भी राहुल गांधी ने जो कहा था, उसे लेकर कई दिनों तक चर्चा और विमर्श जारी रहा। पिछले आम चुनाव के ठीक पहले 31 मार्च 2024 को फिर कांग्रेस ने विपक्षी दलों की %लोकतंत्र बचाओ% महारैली आयोजित की। इस रैली का मकसद शराब घोटाले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भूमि घोटाले में झारखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का विरोध करना रहा। इस रैली मोदी सरकार के विरोध में गठित विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की ताकत दिखाना भी रहा।

मोदी सरकार के गठन के बाद कांग्रेस की अगुआई में आयोजित हुई रामलीला मैदान की रैलियों के परिणामों पर नजर डालें तो देखेंगे कि 2024 की रैली के अलावा किसी दूसरी रैली का मोदी सरकार की सेहत पर खास असर नहीं दिखा। 2024 के आम चुनावों में बीजेपी का बहुमत के आंकड़े से दूर होने के पीछे इस रैली के असर को देखा-समझा जा सकता है। फिर भी कहा जा सकता है कि इस रैली ने मोदी के अजेयता के मिथ को चोट जरूर पहुंचाई। यह बात और है कि इससे बीजेपी निराश नहीं हुई। अगर वह निराश हुई होती तो वह बिहार, असम, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र के चुनाव नहीं जीत सकती थी। विपक्ष चाहे लाख दावा करे कि इन राज्यों में एसआईआर के बहाने वोटों की चोरी हुई, लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि मोदी की अगुआई में बीजेपी निराशा झाड़कर उठ खड़ी होती रही और चुनाव-दर-चुनाव सफलताएं हासिल करती रही।

राहुल गांधी के निशाने पर इन दिनों चार लोग हैं और अपने हर भाषण और प्रेस कांफ्रेंस में वह अशोभन ढंग से इन नामों पर हमला करते रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, संघ प्रमुख मोहन भागवत और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का नाम लेकर राहुल टिप्पणियां कर रहे हैं। रामलीला मैदान में भी उन्होंने अशोभन तरीके से नाम लिए, लेकिन लगे हाथों यह कहने से भी नहीं चूके कि वे किसी से नफरत नहीं करते। राहुल का यह रूप दिलचस्प ही कहा जाएगा कि नफरत नहीं भी करते, लेकिन उनके शब्दों में नकारात्मकता ठीक से झलकती है। कांग्रेस के रणनीतिकार मानें या न मानें, लेकिन अमर्यादित तरीके से निशाना बनाने के चलते राहुल के शब्दों को आम जन गंभीरता से नहीं ले पाता। लोकसभा के चुनाव में अभी दो साल का वक्त है, लेकिन अगले कुछ महीनों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उत्तर प्रदेश को छोड़कर हर राज्य में कांग्रेस प्रमुख प्रतिद्वंद्वी है। पंजाब में उसका मुकाबला विपक्षी खेमे के ही आम आदमी पार्टी से है। यहां उसके लिए कशमकश की स्थिति है। उत्तर प्रदेश में वह समाजवादी पार्टी की पिछलग्गू है। हालांकि वह कोशिश कर रही है कि पिछलग्गू का ठप्पा उसके दामन से साफ हो सके। बाकी तीन राज्यों में वह बीजेपी के बरक्स मुकाबले में है। रामलीला मैदान की रैली का घोषित उद्देश्य भले ही मोदी, शाह, और भागवत का विरोध एवं ज्ञानेश का इस्तीफा लेना हो। लेकिन अघोषित मकसद इन राज्यों के चुनावी समर में बीजेपी को मात देना है। इस दिशा में अभी से माहौल बनाना है।

मोदी के उभार के बाद रामलीला मैदान में आयोजित अतीत की रैलियों और एक नवंबर की रैली में एक अंतर साफ दिखता है। पहले ममता समेत कुछ विपक्षी दल राहुल को नेता मानने से कतराते थे। लेकिन इस रैली में एक तरह से राहुल की अगुआई स्वीकार कर ली गई है। राहुल निर्विवाद तौर पर विपक्षी खेमे के नेता के तौर पर उभरे हैं। विपक्षी खेमे में राहुल की यह स्वीकारोक्ति बीजेपी के लिए चिंता का सबब हो सकती है।

1977 की रैली के दौरान जेपी ने जो कहा था, जैसे शब्दों का प्रयोग उन्होंने किया था, उसे आज के दौर के नेताओं को देखना चाहिए। तब जेपी ने कहा था, कि वे स्वतंत्रता और गुलामी के बीच चुनाव के अवसर को न चूकें। जोरदार तालियों के बीच, जेपी ने जोर देकर कहा था, ÷सवाल यह नहीं है कि जनता पार्टी जीतेगी या कांग्रेस। सवाल यह है कि आप, आपके बच्चे और देश स्वतंत्र होंगे या गुलाम। जब आप अपना वोट डालेंगे, तो आप अपना और देश का भविष्य भी तय करेंगे। अगर आप इस अवसर को चूक जाते हैं, तो शायद आप दिल्ली में फिर कभी ऐसी सभा आयोजित न कर पाएं।÷ जेपी के शब्दों में चिंतन का ताप था, उनके संघर्ष और साख की छाया थी। इसीलिए उन शब्दों को देश ने सुना और उस पर गौर भी किया। उस रैली में जेपी के साथ ही मोरारजी देसाई, चरण सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी और अकाली नेताओं ने भी भाषण दिया था। तब सबके भाषण के निशाने पर इंदिरा थीं और सबके सुर एक थे। रामलीला मैदान की एक नवंबर की रैली में उसी तरह राहुल, खड़गे, अखिलेश, तेजस्वी, फारूख आदि ने आज की सत्ताधारी बीजेपी को निशाने पर तो जरूर लिया, लेकिन उनके भाषणों में अपनी-अपनी राजनीतिक विवशताएं भी नजर आ रही थीं। 1977 में जेपी के भाषणों से जनता जाग उठी थी, 2026 में राहुल आदि के भाषणों से लोक किस हद तक प्रभावित हो पाता है, इसे विधानसभा चुनावों के नतीजों में देखा जा सकेगा। अगर बीजेपी को नुकसान हुआ तो माना जाएगा कि रामलीला मैदान के मुद्दे कामयाब रहे, अगर बीजेपी अपने गढ़ बचाए रखने में कामयाब रही, तब राहुल को फिर नया मुद्दा खोजना होगा।

संपादकीय

लालच की मिलावट

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा त्योहारी सीजन में मिलावटी खाद्य-डेयरी उत्पादों की गुणवत्ता जांच-पड़ताल के लिये राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया गया। इस देशव्यापी मुहिम में करीब 3,280 टन खाद्य उत्पाद जब्त किए गए। जिसकी अनुमानित कीमत 81.8 करोड़ रुपये बतायी जाती है। ये अभियान गत एक सितंबर से पांच नवंबर के बीच चलाया गया। नियामक संस्था ने 56,000 अधिक प्रतिष्ठानों की जांच पड़ताल की। इस दौरान खाद्य पदार्थों के 43,939 नमूने भरे गए। दस हजार कारोबारियों को स्थिति में सुधारों के लिये नोटिस जारी किए गए। करीब 1,133 लोगों के लाइसेंस निलंबित किए गए। कुल 52 लोगों के लाइसेंस रद्द किए गए। साथ ही 410 के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। भारत जैसे विशाल देश में ये बरामदगी मिलावट के समुद्र में एक टापू जितनी है। ये आंकड़े बताते हैं कि स्थिति बेहद जटिल है और रोकने के प्रयास कितने कम। सवाल ये भी है कि ये कार्रवाई त्योहारी सीजन में ही क्यों? क्यों यह एक्शन साल भर नहीं चलना चाहिए? दोषी पाये जाने पर सख्त सजा का प्रावधान क्यों नहीं है? अक्सर लाइसेंस के निलंबन या रद्द करने के बाद आरोपी लोग दूसरे संस्थान व परिवार के अन्य सदस्य के नाम से संस्थान खोलकर फिर मिलावट के खेल में लग जाते हैं। वहीं दूसरी ओर, ये नतीजे पंजाब और हरियाणा के लिये भी बेहद चिंताजनक हैं, जहां खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण इस क्षेत्र की बड़ी डेयरी अर्थव्यवस्था में उपभोक्ताओं का भरोसा डिग रहा है। इसका खमियाजा उन निर्दोष लोगों को भुगतना पड़ता है, जो नहीं जानते कि वे एक धीमा जहर खरीद रहे हैं। पंजाब में दूध व डेयरी उत्पादों के नमूनों में भारी कमियां पाई गई हैं। हरियाणा में करीब पचास हजार किलोग्राम मिलावटी मिठाइयां और पनीर नष्ट किया गया है। नूंह में मिलावटी व हानिकारक पनीर की बरामदगी चिंता बढ़ाने वाली है। जो बताता है कि मुनाफा कमाने के लिये कुछ लोग किस हद तक गिर सकते हैं। निस्संदेह, ऐसी कार्रवाई को त्योहारी सीजन तक या फिर लोगों की शिकायत करने तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। सही मायने में दूध व उससे बने उत्पादों, खाद्य तेल, मसालों और पैकेटबंद खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के लिये सालभर अभियान चलाये जाने चाहिए। साथ ही राज्यों में खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभागों को बेहतर सुविधा वाली आधुनिक प्रयोगशालाएं उपलब्ध करायी जानी चाहिए। जांच-पड़ताल के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की नियुक्तियां हों, उनके कानूनी अधिकार बढ़ाए जाएं तथा जांच के बाद तय समय-सीमा के भीतर कानूनी कार्रवाई करना सुनिश्चित किया जाए। रडार पर वे लोग रहें जो ऐसे अपराध बार-बार करते हैं। इसके अलावा संबंधित विभागों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई में जो सैंपल फेल हुए, जिन प्रतिष्ठानों ने मिलावट की और जिनके खिलाफ कार्रवाई हुई, उस जानकारी को उपभोक्ताओं के हित में सार्वजनिक किया जाना चाहिए। निस्संदेह, ये घटिया काम जनस्वास्थ्य से अक्षम्य खिलवाड़ हैं, दोषियों को गंभीर अपराध जैसा दंड भी मिलना चाहिए। जब हम भारत को वैश्विक खाद्य-प्रसंस्करण केंद्र बनाने के सपने देखते हैं तो खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के मानक भी भरोसेमंद होने चाहिए। साथ ही मानकों को सख्ती से लागू भी किया जाना चाहिए। सरकारों व नियामक संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उपभोक्ता की थाली में जो भी खाना पहुंचे, वह सुरक्षित हो।

चिंतन-मनन

निष्ठावान बने रहें

एक किसान शहर में आया। गहनों की दुकान पर गया। गहने खरीदे, सोने के गहने, चमकदार। दुकानदार ने मूल्य मांगा। किसान ने कहा, मेरे पास मूल्य नहीं है, रूपए नहीं हैं। घी का भरा हुआ घड़ा है। आप इसे ले लें और गहने मुझे दें। सौदा तय हो गया। दुकानदार भी प्रसन्न और किसान भी प्रसन्न। किसान घर गया। अपने गांव के सुनार को गहने दिखाए। उसने परीक्षण कर कहा, तुम ठगे गए। नीचे पीतल है और ऊपर स्वर्ण का झोल। किसान ने सोचा, मैंने सेठ को ठगा, तो सेठ ने मुझे ठग लिया। सेठ घर गया। घी को दूसरे बर्तन में डालना चाहा। ऊपर घी था, नीचे कंकड़-पत्थर। माथे पर हाथ रख सोचा, ठगा गया। मैंने किसान को ठगा और किसान ने मुझे ठग लिया। किसान सोचता है, मैंने सेठ को ठग लिया। सेठ सोचता है, मैंने किसान को ठग लिया। कोई नहीं ठगा गया। सौदा बराबर हो गया। जब पूरा समाज अनैतिक होता है, तो कौन किसको ठगेगा? कौन ठगा जाएगा? सभी सोचते हैं, मैंने उसको ठग लिया, पर ठगे सभी जाते हैं। बेईमानी जब व्यापक होती है, तब सब ठगे जाते हैं। अकेला कोई नहीं ठगा जाता। समाज में ईमानदार लोग भी हैं। इस ईमानदारी के कंधे पर चढ़कर बेईमानी चल रही है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

कैंसर की दवाओं पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती से मरीजों को मिली बड़ी राहत



सौरभ वार्ष्णेय

कैंसर का नाम सुनते ही किसी भी परिवार के सामने सबसे पहले जिंदगी और मौत का सवाल खड़ा हो जाता है। यह ऐसी बीमारी है, जिसका इलाज न केवल मरीज को शारीरिक और मानसिक रूप से तोड़ता है, बल्कि पूरे परिवार की आर्थिक कमर भी तोड़ देता है। इलाज की लंबी प्रक्रिया, महंगी जांच, अस्पतालों का खर्च और जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें पहले से परेशान परिवारों के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होतीं। ऐसे में कैंसर की 137 दवाओं की कीमतों में भारी कटौती होना निश्चित रूप से लाखों मरीजों और उनके परिजनों के लिए राहत भरी खबर है। लेकिन इस फैसले के पीछे छिपी सच्चाई देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और दवा कारोबार पर गंभीर सवाल भी खड़े करती है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कैंसर की 137 दवाओं की कीमतें कम की गई हैं। दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 फॉर्मूलेशन की नई कीमतें जारी की हैं। इनमें 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50 प्रतिशत से अधिक घटाए गए हैं। कुछ दवाओं की कीमतों में तो 96.45 प्रतिशत तक की कमी की गई है। अनुमान है कि इस कदम से मरीजों को सालाना करीब 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत होगी। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि अब तक कैंसर के इलाज के नाम पर आम आदमी की जेब पर कितना बड़ा आर्थिक बोझ पड़ रहा था। इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। 22 सितंबर को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कैंसर की दवाओं की रिटेल कीमत और अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच भारी अंतर पर गंभीर सवाल उठाए थे। अदालत की टिप्पणी थी कि 2,700 रुपये की दवा मरीज को 27,000 रुपये में मिलना दिनदहाड़े डकैती और नरसंहार जैसा है। न्यायालय की यह नाराजगी केवल दवाओं की कीमतों को लेकर नहीं थी, बल्कि उस व्यवस्था पर भी सवाल था, जिसमें गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों की मजबूरी को कारोबार और मुनाफे का अवसर बना लिया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद 17 अक्टूबर को नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर कंपनियों का ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत निर्धारित किया। इसी निर्णय के बाद कीमतों में कमी का रास्ता साफ हुआ। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों ने भी इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। समिति में देश के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञों, चिकित्सकों, अस्पतालों के प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों को शामिल किया गया था। इसका उद्देश्य दवाओं की कीमतों और व्यापारिक मार्जिन को तर्कसंगत बनाना था।

यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जीवन बचाने वाली दवाओं के कारोबार में इतना अधिक मुनाफा कैसे संभव हुआ? क्या किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज की विवशता का फायदा उठाना उचित है? दवा उद्योग का अपना आर्थिक पक्ष है। कंपनियों को अनुसंधान, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, वितरण और नई दवाओं के विकास पर खर्च करना पड़ता है। लेकिन इन सभी खर्चों के नाम पर ऐसी कीमतें वसूलना, जिन्हें आम आदमी वहन ही न कर सके, किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। दवा कोई सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं है। यह किसी व्यक्ति के जीवन, उसके परिवार की उम्मीद और उसके भविष्य से जुड़ी होती है।

भारत जैसे देश में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आज भी आर्थिक स्थिति से प्रभावित होती है। संपन्न परिवार बेहतर अस्पतालों और महंगे उपचार का खर्च उठा सकते हैं, लेकिन मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के सामने अक्सर इलाज जारी रखने या घर की आर्थिक स्थिति बचाने के बीच कठिन चुनाव करने की नौबत आ जाती है। कई बार लोग जमीन, मकान और पुश्तैनी संपत्ति तक बेच देते हैं। कुछ परिवार कर्ज में डूब जाते हैं तो कुछ आर्थिक असमर्थता के कारण उपचार अधूरा छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे हालात में दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण केवल आर्थिक नीति का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानवीय संवेदनशीलता का प्रश्न है।

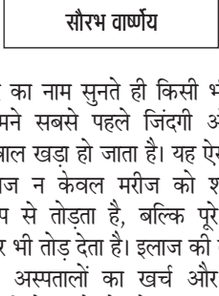
हालांकि, केवल कीमतें घटा देना ही पर्याप्त नहीं होगा। सरकार और संबंधित नियामक संस्थाओं को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित कीमतों का लाभ वास्तव में मरीजों तक पहुंचे। दवा दुकानों, अस्पतालों और वितरकों के स्तर पर नियमित निगरानी होनी चाहिए। यदि कोई कंपनी या विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनी रहे और कीमतों पर नियंत्रण के नाम पर उनकी आपूर्ति प्रभावित न हो।

विशेषज्ञ समिति द्वारा सुझाई गई 137 दवाओं की सूची को समय-समय पर अपडेट करने का निर्णय भी महत्वपूर्ण है। कैंसर के उपचार में लगातार नई दवाएं और तकनीकें सामने आ रही हैं। इसलिए मूल्य नियंत्रण की व्यवस्था भी समय और जरूरत के अनुसार विकसित होनी चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नई और प्रभावी दवाएं भी आम मरीजों की पहुंच से बाहर न हों। सरकारी अस्पतालों में कैंसर उपचार की सुविधाओं का विस्तार, जांच की सुलभता और स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही आवश्यक है।

दरअसल, किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर और जरूरतमंद नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ रहे मरीजों के लिए दवाओं की कीमत कम होना महज एक आर्थिक राहत नहीं, बल्कि जीवन की उम्मीद को मजबूत करने वाला कदम है। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती ने इस दिशा में महत्वपूर्ण हस्तक्षेप किया है। लेकिन इस राहत को स्थायी व्यवस्था में बदलना सरकार, दवा कंपनियों और नियामक संस्थाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जीवन बचाने वाली दवाएं मुनाफे का असीमित माध्यम नहीं बननी चाहिए। स्वास्थ्य सेवा का उद्देश्य केवल कारोबार नहीं, बल्कि मानव जीवन की रक्षा होना चाहिए। कैंसर से लड़ रहे मरीजों को बीमारी से संघर्ष करना चाहिए, दवाओं की कीमतों और आर्थिक शोषण से नहीं। यही इस फैसले का वास्तविक संदेश और एक संवेदनशील स्वास्थ्य व्यवस्था की कसौटी है।

यमुना की लहरों पर दिल्ली की नई उड़ान, पर्यटन और विरासत का नया संगम



विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

'नमो यमुना रिवर सफारी' का शुभारम्भ, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने साझा की विकास की परिकल्पना; इलेक्ट्रिक क्रूज से खुलेगा नदी पर्यटन, स्थानीय रोजगार और आर्थिक गतिविधियों का नया द्वार...

नई दिल्ली। भारतीय सभ्यता और संस्कृति की साक्षी रही यमुना नदी अब राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पर्यटन की एक नई पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। दिल्ली के पर्यटन इतिहास में 10 नवंबर 2026 का दिन एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में दर्ज हुआ, जब सोनिया विहार-जगतपुर के बीच 'नमो यमुना रिवर सफारी' क्रूज सेवा का शुभारम्भ किया गया। यमुना की लहरों पर इलेक्ट्रिक क्रूज की यह यात्रा केवल मनोरंजन की नई सुविधा नहीं, बल्कि राजधानी की ऐतिहासिक विरासत, धार्मिक आस्था, पर्यावरण अनुकूल परिवहन और पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को एक साथ जोड़ने की पहल है। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इस सेवा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर और हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली सरकार के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, लोक निर्माण एवं सिंचाई मंत्री प्रवेश साहिब सिंह तथा सांसद मनोज तिवारी सहित केंद्र और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इस परियोजना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि दिल्ली में यमुना का उल्लेख सामान्यतः प्रदूषण, जलस्तर और नदी की सफाई से जुड़ी चुनौतियों के संदर्भ में होता रहा है। ऐसे में नदी के एक हिस्से को पर्यटन और जनसहभागिता के केंद्र के रूप में विकसित करना एक नई सोच को सामने रखता है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) ने केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के नेतृत्व में इस परियोजना को आगे बढ़ाया है। इसमें दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी), दिल्ली जल बोर्ड और दिल्ली सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग का सहयोग शामिल है। यह केंद्र और दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों के बीच समन्वित विकास का उदाहरण है।

जलमार्गों के विकास में नई संभावनाएँ : केंद्रीय मंत्री का संदेश

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने यमुना में मनोरंजक क्रूज सेवा के शुभारम्भ को भारत में अंतर्देशीय जल परिवहन और नदी पर्यटन की संभावनाओं से जोड़ते हुए जलमार्गों के बहुआयामी उपयोग पर बल दिया। उनकी इस पहल के पीछे मूल विचार नदियों को केवल जल संसाधन अथवा माल परिवहन के साधन के रूप में नहीं, बल्कि पर्यटन, यात्री सुविधा और आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करना है। इलेक्ट्रिक क्रूज का संचालन स्वच्छ ऊर्जा आधारित जल परिवहन की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण प्रयोग है। इससे दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के निवासियों को अपने ही शहर में नदी पर्यटन का नया अनुभव मिलेगा। भारत सरकार के आधिकारिक आँकड़े इस क्षेत्र में हुए विस्तार की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। देश में राष्ट्रीय जलमार्गों की संख्या बढ़कर 111 हो चुकी है। इनकी कुल घोषित लंबाई 20,187 किलोमीटर है, जो 23 राज्यों और चार केंद्रशासित प्रदेशों में फैली है। इनमें से 32 जलमार्ग परिचालन की स्थिति में हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय जलमार्गों पर माल परिवहन 145.84 मिलियन मीट्रिक टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँचा। वित्त वर्ष 2013-14 में यह मात्रा केवल 18.10 मिलियन मीट्रिक टन थी। इसी प्रकार राष्ट्रीय जलमार्गों पर यात्री यातायात 2023-24 के 1.61 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में लगभग 7.64 करोड़ तक पहुँच गया। ये आँकड़े बताते हैं कि देश में जलमार्गों का उपयोग परिवहन के साथ यात्री सेवाओं और पर्यटन के लिए भी तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया आस्था और आधुनिकता का संगम

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में यमुना के प्रति दिल्लीवासियों की धार्मिक आस्था, प्रेम और श्रद्धा को इस परियोजना का प्रमुख आधार बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'नमो यमुना रिवर सफारी' महज क्रूज अथवा नाव की सवारी नहीं, बल्कि मां यमुना के साथ लोगों के भावनात्मक और सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करने का एक अवसर है। उनके अनुसार, अब दिल्लीवासियों को अपने परिवार और बच्चों के साथ राजधानी में ही यमुना के प्राकृतिक परिवेश का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। यह अनुभव दिल्ली के पर्यटन विकल्पों में एक नया आकर्षण जोड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने पर्यटन सुविधाओं के विकास के साथ नदी की स्वच्छता, सुरक्षा और नागरिक सुविधाओं पर ध्यान देने की आवश्यकता भी रेखांकित की। उनका दृष्टिकोण इस परियोजना को एक व्यापक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का है, जहाँ परिवारों के लिए मनोरंजन, प्रकृति से जुड़ाव और सांस्कृतिक अनुभव एक ही स्थान पर उपलब्ध हों। यह पहल छठ महापर्व से पहले शुरू होने के कारण विशेष महत्व रखती है। छठ पर्व में यमुना सहित नदियों और जलाशयों के प्रति पूर्वांचल तथा बिहार-झारखंड के लोगों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है।

पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा की परिकल्पना – क्रूज से आगे मनोरंजन परिसर

दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने इस परियोजना को केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और संबंधित एजेंसियों का साझा प्रयास बताया। उन्होंने सोनिया विहार में विकसित मनोरंजन क्षेत्र की सुविधाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य केवल क्रूज यात्रा उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि इस पूरे क्षेत्र को परिवारों और पर्यटकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाना है। यहाँ बच्चों के लिए खेल और गेमिंग क्षेत्र, खानपान की सुविधा, फूड जोन, खरीदारी तथा अन्य मनोरंजन गतिविधियों की व्यवस्था विकसित की गई है। शाम के समय भगवान श्रीकृष्ण और यमुना मैया की थीम पर आधारित संगीतमय फव्वारे का आकर्षण भी इस परिसर का हिस्सा है।

मंत्री के अनुसार, पर्यटकों के लिए प्रवेश सुबह नौ बजे से शुरू करने और रात लगभग नौ बजे तक अंतिम टिकट जारी करने की व्यवस्था बताई गई है। भविष्य में पर्यटकों की संख्या और मांग को देखते हुए क्रूज नौकाओं की संख्या बढ़ाने की भी योजना है। इससे स्थानीय कारोबारियों, खानपान संचालकों, परिवहन सेवाओं और अन्य छोटे व्यवसायों के लिए रोजगार तथा आय के नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

बाजारों से स्कूल-कॉलेज तक पहुंची महिला पुलिस, बांटे जागरूकता पंपलेट



संभल (सब का सपना):- जनपद में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के तहत मंगलवार को जनपद सम्भल में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में जिले के विभिन्न मिशन शक्ति केंद्रों पर तैनात महिला पुलिसकर्मियों ने थाना क्षेत्र के अंतर्गत बालिकाओं एवं महिलाओं को जागरूक किया।

इस दौरान महिला पुलिसकर्मियों द्वारा विभिन्न स्थानों पर चौपाल का आयोजन कर महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद किया गया। चौपाल में महिला संबंधित समस्याओं की जानकारी लेते हुए उनके निस्तारण के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। साथ ही महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, किसी भी प्रकार की समस्या होने पर बिना संकोच पुलिस से संपर्क करने और अपराध के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

वहीं मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के अंतर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को शासन और पुलिस विभाग द्वारा सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। अभियान के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से बताया गया।

इनमें वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन 102, एंबुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं। महिला पुलिसकर्मियों ने पंपलेट वितरित कर इन हेल्पलाइन नंबरों का जरूरत पड़ने पर इस्तेमाल करने की जानकारी दी। मोबाइल पर इमरजेंसी कॉल एवं पैनिक बटन के इस्तेमाल का डेमो भी दिया गया।

पुलिस विभाग का उद्देश्य मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ सीधा संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना, उनकी समस्याओं का समाधान कराना और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना है। पुलिस द्वारा यह अभियान लगातार जारी रखते हुए महिलाओं को सुरक्षा एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

बहजोई में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया गोवर्धन पर्व, घर-घर हुई पूजा-अर्चना

महिलाओं ने गोबर से बनाई गोवर्धन महाराज की आकृति, भगवान श्रीकृष्ण को अन्नकूट का भोग लगाकर मांगी सुख-समृद्धि

बहजोई/संभल (सब का सपना):- जनपद के बहजोई में मंगलवार को गोवर्धन पर्व बड़े ही श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दीपावली के अगले दिन मनाए जाने वाले इस पर्व को लेकर नगर में सुबह से ही खासा उत्साह देखने को मिला। लोगों ने अपने घरों में परंपरागत तरीके से गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।



गोवर्धन पर्व के अवसर पर महिलाओं ने घरों के आंगन में गोबर से गोवर्धन महाराज की सुंदर आकृति बनाई। इसके बाद फूल, दीपक, रोली, चावल और विभिन्न पूजन सामग्री से विधि-विधान के साथ पूजा की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण करते हुए गोवर्धन महाराज को अन्नकूट का भोग लगाया। पूजा के दौरान परिवार के सभी सदस्यों ने भाग लिया और भगवान से परिवार में सुख, शांति एवं समृद्धि बनाए रखने की प्रार्थना की।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्रदेव के प्रकोप से बचाने के लिए अपनी छोटी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत को धारण किया था। भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को प्रकृति और गोवर्धन पर्वत के महत्व के बारे में बताया था। इसी घटना की याद में हर वर्ष दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जाता है।

नगर के विभिन्न मोहल्लों में सुबह से ही पर्व की रौनक दिखाई दी। घरों में पकवान बनाए गए और भगवान श्रीकृष्ण को भोग अर्पित किया गया। महिलाओं और बच्चों में पर्व को लेकर विशेष उत्साह रहा। पूजा-अर्चना के बाद लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया और एक-दूसरे को गोवर्धन पर्व की शुभकामनाएं दीं।

गोवर्धन पर्व के चलते पूरे बहजोई नगर में धार्मिक एवं भक्तिमय माहौल बना रहा। लोगों ने परंपराओं का निर्वहन करते हुए श्रद्धा भाव से पर्व मनाया। दिनभर घरों में पूजा-पाठ और धार्मिक गतिविधियों का सिलसिला चलता रहा।

मारपीट और जानलेवा हमले के मामले में दो आरोपी पुलिस ने किए गिरफ्तार



गुन्नौर/संभल (सब का सपना):- जनपद के थाना गुन्नौर क्षेत्र में गाली-गलौज, मारपीट और जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने मंगलवार को दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गंगा किनारे ईशमपुर बांध से गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार सोमवार को थाना गुन्नौर में ग्राम ईशमपुर डांडा निवासी ऋषिपाल पुत्र सौदान सिंह ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि कुछ लोगों ने उनके और उनकी पत्नी व बेटे के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। आरोप है कि जान से मारने की नीयत से लाठी-डंडों और ईंट-पत्थरों से हमला किया गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी।

इसी क्रम में मंगलवार को थाना गुन्नौर पुलिस टीम ने मामले में वांछित पुष्पेंद्र पुत्र राजकुमार और सुनील कुमार पुत्र राजकुमार निवासीगण को गंगा किनारे ईशमपुर बांध से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

निर्माण श्रमिकों के परिवारों को मिल रही आर्थिक मदद, 111 श्रमिकों को मिला लाभ



बहजोई/संभल (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवारों के सामाजिक और आर्थिक कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में मंगलवार को सहायक श्रमायुक्त राम लखन पटेल ने मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना की जानकारी देते हुए पात्र श्रमिकों से योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की।

उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत पंजीकृत पुरुष निर्माण श्रमिक को पत्नी के प्रसव पर छह हजार रुपये की एकमुश्त सहायता दी जाती है। वहीं, महिला पंजीकृत निर्माण श्रमिक को संस्थागत प्रसव की स्थिति में तीन माह के न्यूनतम वेतन के बराबर धनराशि और एक हजार रुपये चिकित्सा बोनस दिया जाता है। शिशु हितलाभ योजना के तहत पुत्र के जन्म पर 26 हजार रुपये तथा पुत्री के जन्म पर 31 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। सहायक श्रमायुक्त ने बताया कि बालिका मदद एवं भविष्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत परिवार में पहली संतान बालिका होने अथवा दूसरी संतान भी बालिका होने पर 25 हजार रुपये की सावधि जमा कराई जाती है। कानूनी रूप से गोद ली गई बालिका के लिए भी निर्धारित पात्रता के अनुसार 25 हजार रुपये जमा कराने का प्रावधान है। वहीं, जन्म से दिव्यांग बालिका होने पर 50 हजार रुपये की सावधि जमा कराई जाती है। यह धनराशि बालिका के 18 वर्ष की आयु पूरी करने तक अविवाहित रहने की शर्त पर देय होगी। उन्होंने बताया कि अक्टूबर माह में बोर्ड की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत जनपद के 111 पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बैंक खातों में कुल 30 लाख रुपये की सहायता राशि हस्तांतरित की गई है। इससे श्रमिकों एवं उनके परिवारों को आर्थिक मजबूती मिल रही है। सहायक श्रमायुक्त राम लखन पटेल ने पात्र पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से अपील की कि वे बोर्ड की योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर निर्धारित पात्रता एवं प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करें और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

मारा कहीं, फेंका यहीं, सुनसान इलाकों को चुन रहे हैं अपराधी, ऐसे छिपा रहे कत्ल के राज

एजेंसी

कानपुर। और आसपास के बाहरी इलाकों को अपराधी कत्ल के बाद साक्ष्य मिटाने और पहचान छिपाने के लिए डमपिंग यार्ड के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। पुलिस सर्विलांस से कई मर्डर मिस्ट्री सुलझाई गई हैं, लेकिन कई अज्ञात शव आज भी पहेली बने हैं। मारो कहीं, फेंको यहीं...अपराधियों की यह सोच अब शहर और उससे सटे इलाकों में साफ दिखाई देने लगी है। हत्या कहीं और करने के बाद शव को ठिकाने लगाने, साक्ष्य मिटाने और पुलिस को गुमराह करने के लिए अपराधी शहर के बाहरी और सुनसान इलाकों को चुन रहे हैं। नहर किनारे, खेतों के बीच, जंगलों, झाड़ियों और वीरान सड़कों पर मिल रहे शव इसकी गवाही दे रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से अब तक ऐसे कई मामले सामने



आए हैं। इनमें हत्यारोपियों ने पहचान छिपाने के लिए शव के टुकड़े किए, जलाया, कूंचा और सुनसान जगह फेंक दिया। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और सर्विलांस की मदद से कई हत्याकांडों का पदार्फाश किया लेकिन कुछ मामले ऐसे भी हैं जिनमें मृतकों की पहचान तक नहीं हो सकी। हाल में ही कालपी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गयादीन अहिरवार और राष्ट्रीय बॉक्सर मंतशा कुमारी के शव भी दूसरे जिलों से लाकर यहीं फेंके गए।

सचेंडी, पनकी, चकेरी, महाराजपुर, सजेती, घाटमपुर, साढ़, सेन पश्चिम पारा, बिधनू और रेउना जैसे थाना क्षेत्रों में समय-समय पर अज्ञात शव मिलने की घटनाएं सामने आती रही हैं। शहर की सीमा से लगे होने, कम आबादी और लंबे सुनसान रास्तों के कारण ये स्थान अपराधियों को मुफीद नजर आते हैं। नहर किनारे और जंगलों में शव फेंकने क घटनाएं भी इसी ओर इशारा करत हैं। पहचान मिटाने के लि अपनाते क्रूर तरीके कई मामलों अपराधी शव जलाने, चेहरे क क्षतविक्षत करने, हाथ-पैर बांध या कपड़े हटाने जैसी हरक करते हैं, ताकि मृतक की पहचा न हो सके। कुछ मामलों में श को बोरे, पॉलिथीन या चादर बांधकर फेंका जाता है अपराधियों की मंशा होती है पहचान में देरी हो और उन्हें फरा होने का समय मिल जाए। पुलि के सामने सबसे बड़ी चुनौती श मिलने के बाद पुलिस के साम सबसे पहली चुनौती मृतक क पहचान करना होती है। पहचा होने के बाद ही उसके संपर्क पारिवारिक विवाद, रंजिश औ आखिरी बार देखे जाने क जानकारी जुटाकर जांच आग बढ़ती है।

मंदिरों से परिक्रमा मार्ग तक सुरक्षा व्यवस्था का एसपी ने लिया जायजा



संभल (सब का सपना):- जनपद में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने आगामी 13 नवंबर को प्रस्तावित 24 कोसीय परिक्रमा यात्रा के दृष्टिगत श्री वंश गोपाल मंदिर तीर्थ, चन्द्रेश्वर महादेव मंदिर सहित परिक्रमा यात्रा मार्ग का भ्रमण कर सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था से संबंधित तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने परिक्रमा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था, प्रमुख धार्मिक स्थलों, श्रद्धालुओं के आवागमन, यातायात व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से यात्रा के दौरान की जाने वाली तैयारियों के बारे में जानकारी प्राप्त की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि 24 कोसीय परिक्रमा यात्रा को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। परिक्रमा मार्ग पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं तथा श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाए रखने के लिए यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए।

साथ ही भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें, जिससे धार्मिक यात्रा को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराया जा सके। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी सुमित सुधाकर रामटेके, क्षेत्राधिकारी सम्भल कुलदीप कुमार, क्षेत्राधिकारी असमोली अमन सिंह सहित संबंधित थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

घर में चल रही थी पूजन की तैयारी, कमरे में फंदे से लटका मिला युवती का शव; इकलौती बेटी मौत से मातम

एजेंसी

वाराणसी। जिले के कुलमनपुर गांव में दीपावली के दिन 19 वर्षीय प्रियंका मोदनवाल का शव घर की दूसरी मंजिल स्थित कमरे में फंदे से लटका मिला। भाभी ने शव देखकर परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रियंका दो भाइयों की इकलौती बहन थी। दीपावली के दिन घर में जहां पर्व की तैयारियां चल रही थीं, वहीं एक परिवार की खुशियां अचानक मातम में बदल गईं। गोपीगंज कोतवाली क्षेत्र के कुलमनपुर गांव में 19 वर्षीय युवती का शव घर की दूसरी मंजिल स्थित कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी होते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए



भेज दिया। युवती दो भाइयों की इकलौती बहन थी। कुलमनपुर गांव निवासी भारत मोदनवाल की पुत्री प्रियंका मोदनवाल (19) रविवार को घर की दूसरी मंजिल पर स्थित एक कमरे में थी। बताया गया कि दीपावली के दिन परिवार के अन्य सदस्य घर के बाहर पर्व की तैयारियों में व्यस्त थे। इसी दौरान प्रियंका की भाभी किसी काम से मकान की दूसरी मंजिल पर पहुंचीं। कमरे के अंदर प्रियंका का शव फंदे से लटका देखकर वह घबरा गईं। उनकी चीख सुनकर परिवार के अन्य सदस्य भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही जंगीगंज चौकी की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर आवश्यक कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। प्रियंका की मौत की खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। दीपावली के दिन जिस घर में त्योहार की तैयारियां हो रही थीं, वहां कुछ ही देर में मातम पसर गया। बताया जाता है कि प्रियंका अपने दो भाइयों की इकलौती बहन थी। उसकी अचानक हुई मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस के अनुसार युवती की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। फिलहाल घटनास्थल से मिले तथ्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना से पहले युवती की परिस्थितियां क्या थीं।

भरोसा जीतकर आतंकी टास्क सौंपते हैं पाकिस्तानी हैंडलर्स, विदेशी फंडिंग से युवाओं की भर्ती का नेटवर्क खंगाल रही ATS

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बीते दिनों सामने आई आतंकी गतिविधियों और धमकी भरे संदेशों के मामलों में आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) अब विदेशी फंडिंग, आतंकी संगठनों के संपर्क और युवाओं को अपने नेटवर्क में शामिल करने की टाइमिंग की पड़ताल कर रहा है।

जांच एजेंसियों के सामने सबसे अहम सवाल यह है कि पाकिस्तान में बैठे आतंकी शहजाद भट्टी और उसके सहयोगी राना भाई जैसे विदेशी हैंडलर किस तरह स्थानीय युवाओं तक पहुंच बना रहे हैं और उन्हें रेकी, धमकी तथा हमले जैसे टास्क देने के लिए कैसे तैयार कर रहे हैं।

जांच में यह भी देखा जा रहा है कि विदेशी हैंडलर पहले युवाओं से संपर्क बनाते हैं, फिर छोटी रकम या अन्य प्रलोभन देकर उनका भरोसा जीतते हैं और इसके बाद संवेदनशील स्थानों की रेकी अथवा किसी व्यक्ति को निशाना बनाने जैसे टास्क सौंपते हैं।लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर रेकी करने के आरोप में 30 अक्टूबर को गिरफ्तार तीन युवकों और एक किशोर के मामले में इसी पहलू को प्रमुखता से खंगाला जा रहा है। आरोप है कि पंजाब से आए युवक विदेशी हैंडलर राना भाई के संपर्क में थे। उन्हें पुलिस या सेना के जवान की हत्या अथवा सुरक्षा प्रतिष्ठान पर हमले का टास्क दिया गया था। रेकी का वीडियो बनाकर विदेशी हैंडलर को भेजने के बदले तीन लाख रुपये देने का लालच दिए जाने की बात भी सामने आई थी।

एटीएस यह पता लगाने में जुटी है कि क्रिप्टोकरेंसी, डिजिटल वालेट, बैंक खातों और दूसरे माध्यमों से भुगतान हुए या नहीं। यह भी देखा जा रहा है कि अलग-अलग टास्क के लिए रकम पहले दी जाती थी या काम पूरा होने के बाद भुगतान किया जाता था। कानपुर से गिरफ्तार अंकित शंखवार के फर्जी ई-मेल आइडी नेटवर्क की जांच में भी विदेशी संपर्क और भुगतान का पहलू महत्वपूर्ण है।आरोप है कि पांच लाख से अधिक फर्जी ई-मेल आइडी तैयार कर उन्हें खरीदारों तक पहुंचाया गया था। पाकिस्तान और बांग्लादेश में बैठे संदिग्ध लोगों तथा क्रिप्टोकरेंसी से भुगतान के पहलुओं की पड़ताल हो रही है। एटीएस यह भी देख रही है कि अयोध्या, काशी और मथुरा के मंदिरों को भेजे गए धमकी भरे ई-मेल में कहीं इसी नेटवर्क की सेवाओं का इस्तेमाल तो नहीं हुआ।गाजियाबाद के वसुंधरा पुलिस चौकी के बाहर छह नवंबर को हुए विस्फोट को लेकर भी एजेंसियां जांच कर रही हैं। हालांकि, अभी तक की जांच में वहां किसी बड़े आतंकी नेटवर्क की सक्रियता के ठोस साक्ष्य सामने नहीं आए हैं। इंटरनेट मीडिया पर तहरीक-उल-मुजाहिदीन हिंदुस्तान के नाम से जिम्मेदारी लेने का दावा किए जाने के बाद शहजाद भट्टी के नेटवर्क से संभावित संपर्क होने की पड़ताल भी की जा रही है।

डीएम एसपी ने तिगरी गंगा मेला कोतवाली में की बैठक, इसके बाद मेला स्थल का किया निरीक्षण



अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने आज तिगरी गंगा मेला स्थल पर स्थापित मेला कोतवाली में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर मेले की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक के उपरांत उन्होंने मेला स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि मेला क्षेत्र में प्रकाश व्यवस्था प्रारंभ से लेकर अंतिम सेक्टर तक सुनिश्चित की जाए, ताकि रात्रि के समय भी श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने शेष बचे घाटों का निर्माण शीघ्रता से एवं पूरी मजबूती के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही गंगा के कटान वाले संवेदनशील स्थानों पर मजबूत बैरिकेडिंग कराने को कहा, ताकि कोई भी श्रद्धालु जोखिम वाले स्थानों तक न पहुंच सके।

जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि मेले में खेल-तमाशे एवं अन्य मनोरंजन संबंधी गतिविधियों की अनुमति देने से पूर्व उनकी सुरक्षा व्यवस्था का भली-भांति परीक्षण कराया जाए। सुरक्षा मानकों पर खरा उतरने के बाद ही अनुमति प्रदान की जाए। उन्होंने मेला क्षेत्र में पर्याप्त साइन बोर्ड एवं दिशासूचक बोर्ड लगाने के निर्देश दिए, जिससे बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मेला स्थल पर बनाई गई पार्किंग संख्या एक, दो एवं तीन का भी जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की कि किस पार्किंग में बड़े एवं छोटे वाहनों को खड़ा कराया जाएगा। उन्होंने वाहनों की श्रेणी के अनुसार पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को अपने वाहन खड़े करने में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने मेला कोतवाली स्थल पर पर्याप्त टेंट एवं शौचालय सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि तिगरी गंगा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ शेष कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण कराएं तथा व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, उप जिलाधिकारी धनौरा शैलेश कुमार दुबे सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने मतदान केंद्रों का किया स्थलीय निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा



अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने आज जनपद में विभिन्न मतदान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय मोहरका पट्टी में बनाए गए बूथ संख्या 209, 210 एवं 211 का निरीक्षण किया। इसके उपरांत प्राथमिक विद्यालय कुमराला बहादुरपुर पहुंचकर बूथ संख्या 199 एवं 200 की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने दोनों मतदान केंद्रों पर शौचालय, पेयजल की उपलब्धता, प्रवेश एवं निकास द्वार सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मतदान केंद्रों पर सभी आवश्यक सुविधाएं दुरुस्त रखी जाएं, ताकि मतदान के दौरान मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही मतदान केंद्रों पर स्वच्छता, सुरक्षा एवं सुचारु आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदान से पूर्व सभी व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण कर लिया जाए तथा किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर तत्काल उसका निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी धनौरा शैलेश कुमार दुबे सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गजरौला क्षेत्र के गांव में शराब का ठेका हटवाने की मांग पर अड़ी महिलाएं, हंगामा



गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र के गांव में गोवर्धन पूजा के दिन गांव निवासी महिलाएं एवं पुरुष गांव स्थित देशी शराब के ठेके को हटवाने की मांग को लेकर अड़ गए जिसको लेकर गांव की महिलाओं एवं ग्रामीणों ने मंगलवार की सुबह जमकर प्रदर्शन किया। जिसकी सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने वहां मौजूद ग्रामीणों को बमुश्किल समझाकर शांत कराया। बता दें कि पूरा मामला कोतवाली क्षेत्र के गांव कुदैना-चक का है। जहां की ग्रामीणों व महिलाओं ने गांव स्थित देशी शराब के ठेके को हटवाने की मांग को लेकर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने अधिकारियों से ठेके को गांव से हटाने की मांग की। उनका कहना है कि ठेके के कारण गांव के कुछ लोग शराब पीने लगे हैं। इससे परिवारों में विवाद होते हैं ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ लोग शराब पीकर घर लौटते हैं और पत्नियों के साथ मारपीट व अभद्र व्यवहार करते हैं। महिलाओं ने कहा कि शराब की लत का असर बच्चों और परिवारों पर भी पड़ रहा है।

उनका कहना है कि मेहनत-मजदूरी से कमाई गई रकम का बड़ा हिस्सा शराब पर खर्च हो जाता है, जिससे परिवारों की आर्थिक स्थिति पर असर पड़ता है। महिलाओं ने प्रशासन और आबकारी विभाग से मामले पर ध्यान देकर ठेका गांव से हटवाने की मांग की।

सिम्भावली-बक्सर नहर के पास दर्दनाक सड़क हादसा, मची अफरा-तफरी, पलटी कार



हापुड़ (सब का सपना):- जनपद के सिम्भावली थाना क्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे-9 (ठल्ल-9) पर बक्सर नहर के पास एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे ने एक बार फिर हाईवे पर लापरवाही पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिल्ली निवासी मोहम्मद नोफिल खान अपनी पत्नी रमशा खान और तीन बच्चों के साथ दिल्ली से रामपुर जा रहे थे। सोमवार दोपहर करीब 12:54 बजे बक्सर नहर के पास उनकी कार की गाजियाबाद निवासी ईशु शर्मा की स्विफ्ट कार से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि नोफिल खान की कार सड़क पर पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत दल-बल के साथ मौके पर पहुंच गई।

दुर्घटना के बाद हाईवे पर कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ, जिसे पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद सुचारू कराया। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से रास्ते से हटवाया। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई और जांच में जुटी है।

किसानों ने मांगा 120 करोड़ रुपए का गन्ना बकाया भुगतान

बकाया न मिलने पर गन्ना न देने का ऐलान, पंचायत में लिया फैसला



हापुड़ (सब का सपना):- भगवानपुर में प्रधान ओमवीर के आवास पर हुई किसानों की पंचायत में फैसला लिया गया कि यदि जनपद की शुगर मिलों ने किसानों का बकाया गन्ना भुगतान नहीं किया तो वे गन्ना नहीं देंगे।पंचायत की अध्यक्षता ज्ञानेश्वर ने की तथा संचालन गौरव चौधरी ने किया। जिला अध्यक्ष चौ. पवन हूण गुर्जर ने कहा कि सिम्भावली और ब्रजनाथपुर मिलों पर किसानों का 120 करोड़ रुपए बकाया है। जब तक बकाया और नई पेराई के भुगतान का लिखित आश्वासन नहीं मिलता, किसान गन्ना नहीं देंगे।

पंचायत ने चेतावनी दी कि बिना गारंटी के पर्ची जारी करने वाले अधिकारी की ही भुगतान की जिम्मेदारी होगी। किसानों से धोखा हुआ तो अधिकारी का घेराव होगा।पंचायत में गोपाल, अमित, विकास, नेपाल, उदय सिंह, रतनपाल, राहुल, गुरजीत, नवीन, निखिल, संदीप, राजेन्द्र, बिजेंद्र, सोनू, कमल सिंह आदि मौजूद रहे।

डीएम-एसपी ने किया मेले की तैयारियों का निरीक्षण, संबंधित अधिकारियों को समय पर कार्य पूरा करने के दिए निर्देश



गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला क्षेत्र के गंगा धाम तिगरी में लगने वाले कार्तिक पूर्णिमा के एतिहासिक मेले का मंगलवार को जिला अधिकारी नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने मेला स्थल पर चल रही गंगा मेले की तैयारीयों का बारीकी से निरीक्षण किया जिसको लेकर उन्होंने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को मेले के सभी कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। बता दें कि कार्तिक पूर्णिमा का यह मेला 15 नवंबर से शुरू होने वाला है जिसका मुख्य स्नान 24 नवंबर को होगा। मेले में 30 से 40 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। मेला स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए मनोरंजन के तमाम इंतजाम किए जा रहे हैं वहीं जिलाधिकारी ने सभी से अपील करते हुए कहा कि मेला स्थल पर नियमों के विरुद्ध कोई कार्य न करें।निरीक्षण के दौरान जिले के कई अधिकारी मौजूद रहे।

गढ़ गंगा कार्तिक पूर्णिमा मेला स्थल का अधिकारियों ने किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा





हापुड़ (सब का सपना):- कार्तिक पूर्णिमा मेले की तैयारियों के दृष्टिगत आज एडीजी, डीआईजी, जिलाधिकारी कविता मीना (क.अ.र.), पुलिस अधीक्षक मधुवन कुमार सिंह, मुख्य विकास अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों ने गढ़ गंगा मेला स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने घाटों, पार्किंग स्थल, यातायात व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा शिविर, सफाई व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

अधिकारियों ने मौके पर मौजूद संबंधित विभागों के अधिकारियों को व्यवस्थाओं को समय से दुरुस्त करने एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने के निर्देश दिए। घाटों पर गोताखोरों, नावों एवं पुलिस बल की तैनाती को लेकर भी विशेष निर्देश दिए गए।

धनौरा क्षेत्र में ग्राहक को बुलाने पर दो दुकानदारों में मारपीट, एक घायल



धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र के चुचैला कलां में दो दुकानदारों के बीच ग्राहक को बुलाने को लेकर जमकर मारपीट हो गई इस मारपीट में एक दुकानदार घायल हो गया जिसने पुलिस को शिकायती पत्र देकर मामले में कानूनी कार्यवाही की गुहार लगाई है।

बता दें कि थाना क्षेत्र के चुचैला कलां कस्बे में सोमवार देर शाम ग्राहक को दुकान पर बुलाने को लेकर दो दुकानदारों के बीच मारपीट हो गई। इसमें दीनू टांक घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें मेडिकल जांच के लिए भेजा।प्राप्त जानकारी के मुताबिक चुचैला कलां निवासी हरीश और मीनू की कस्बे में आमने-सामने जनरल स्टोर की दुकानें हैं। दोनों दुकानों पर ग्राहक आते हैं।

दुकान के सामने खड़े होकर इशारा कर ग्राहकों को बुलाने को लेकर दोनों के बीच पहले कहासुनी हुई, फिर मारपीट शुरू हो गई। मारपीट के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर रामपुर तगा चौकी पुलिस वहां पहुंची और दीनू टांक का मेडिकल परीक्षण कराया।रामपुर तगा चौकी इंचार्ज दीपक कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। घायल का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

दीपावली पर यूपी-112 ने संभाला मोर्चा, 80 प्रतिशत ज्यादा मांगी गई मदद, हर मिनट 48 लोगों तक पहुंची

लखनऊ। दीपावली पर प्रदेश में सुरक्षा और आपातकालीन सहायता की जरूरत ने यूपी-112 की व्यवस्था पर सामान्य दिनों के मुकाबले करीब 80 प्रतिशत अधिक दबाव बढ़ा दिया। आम दिनों में जहां यूपी-112 के जरिये प्रतिदिन औसतन 38 हजार लोगों को सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

वहीं, दीपावली के तीन दिनों में यह आंकड़ा बढ़कर औसतन 68,579 प्रतिदिन पहुंच गया। यानी सामान्य दिनों की तुलना में हर दिन करीब 30 हजार अधिक लोगों ने यूपी-112 की मदद ली। तीन दिनों के आंकड़ों को देखें तो हर मिनट औसतन करीब 48 लोगों तक यूपी-112 की सहायता पहुंची।सात से नौ नवंबर के बीच कुल 2,05,738 लोगों को सहायता उपलब्ध कराई गई। सात नवंबर को 53,264, आठ नवंबर को 74,816 और नौ नवंबर को 77,753 लोगों ने सहायता प्राप्त की। इन तीन दिनों में करीब 1.56 लाख मामलों में पुलिस सहायता उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा एंबुलेंस से संबंधित 36,817 घटनाओं में मेडिकल सहायता और 7029 मामलों में अग्निशमन सेवा से मदद पहुंचाई गई।वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए सवेरा योजना के तहत पंजीकृत 2018 बुजुर्गों को भी सहायता दी गई। वहीं, रात 10 से सुबह छह बजे के बीच साधन नहीं मिलने पर अकेली रह गईं 11 महिलाओं को स्कार्टफारविमेन सेफ्टी के तहत सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया।



दीपावली के दौरान यूपी-112 पर मदद मांगने वालों की संख्या में 80% की बढ़ोतरी हुई, जहां सामान्य दिनों के मुकाबले हर दिन लगभग 30 हजार अधिक लोगों को सहायता मिली।

महिला की गला रेतकर हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार, जंगल से बरामद हुए अवशेष

शादी का दबाव बनाने पर प्रेमिका की हत्या कर शव जंगल में छिपाया था, आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने बरामद किए साक्ष्य



बिजनौर (सब का सपना):- चांदपुर थाना पुलिस ने महिला की गला रेतकर हत्या किए जाने के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने पूछताछ में महिला की हत्या करने के बाद शव को जंगल में छिपाने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटनास्थल से महिला के अवशेष और वारदात से जुड़े कई साक्ष्य बरामद किए हैं।

पुलिस प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बीती 8 नवंबर को ग्राम कुतुबपुर गवांडी निवासी रेखा देवी पत्नी मदनपाल ने थाना चांदपुर में अपनी पुत्री राखी की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र के ग्राम गंधार निवासी विकास पुत्र शिशराम का राखी से संपर्क था। पुलिस ने संदेह के आधार पर विकास को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने हत्या की वारदात स्वीकार कर ली। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने बताया कि करीब डेढ़ वर्ष पहले उसकी राखी से मुलाकात हुई थी। इसके बाद दोनों के बीच शारीरिक संबंध स्थापित हो गए थे। बाद में राखी उस पर शादी करने का दबाव बनाने लगी। इस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होने लगा। इसी से परेशान होकर आरोपी ने राखी की हत्या करने की योजना बना ली। आरोपी ने बताया कि 28 को उसने राखी को मिलने के लिए बुलाया और ई-रिक्शा व ऑटो से उसे ग्राम वनबनपुरा के पास नहर की पटरी स्थित जंगल में ले गया। वहां शराब में कोल्ड ड्रिंक मिलाकर खुद पी और राखी को भी पिलाई। इसके बाद उसने चाकू से राखी का गला रेतकर हत्या कर दी। पहचान मिटाने के उद्देश्य से शव को जंगल की झाड़ियों में छिपा दिया तथा राखी का मोबाइल फोन नहर में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटनास्थल से खून लगा दुपट्टा, एक जोड़ी चप्पल, फटा हुआ गुलाबी फ्रॉक, अंतर्वस्त्र और सफेद धातु की एक पायल बरामद की है। इसके अलावा घटनास्थल से देशी शराब के खाली पाउच तथा स्प्राइट की खाली बोतल भी बरामद हुई है। पुलिस ने आरोपी विकास के खिलाफ थाना चांदपुर में मुकदमा अपराध संख्या 690/26 धारा 103(1)/238(क) बीएनएस के तहत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सुधीर पंवार सहित थाना चांदपुर के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी का 24 घंटे में खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

चोरी की गई ट्रॉली और वारदात में प्रयुक्त जॉन डियर ट्रैक्टर बरामद, दो आरोपी फरार



बिजनौर (सब का सपना):- थाना किरतपुर पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी की घटना का 24 घंटे के अंदर खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई ट्रॉली और वारदात में प्रयुक्त जॉन डियर ट्रैक्टर बरामद किया है। मामले में शामिल दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी पुलिस तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार, 9 नवंबर को ग्राम नया गांव (मोहम्मद अलीपुर सुहानन्द) निवासी जयप्रकाश पुत्र सागर सिंह ने थाना किरतपुर में तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ घर से ट्रॉली चोरी करने का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने मुकदमा संख्या 345/2026 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस के तहत दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 10 नवंबर को आरोपी योगेश उर्फ रितिक पुत्र अशोक कुमार निवासी ग्राम मोहम्मद अलीपुर पुर सुहानन्द उर्फ नया गांव थाना किरतपुर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथी हनी पुत्र राजू निवासी ग्राम बलरी थाना कोतवाली शहर बिजनौर तथा मनीष पुत्र खिलेंद्र निवासी ग्राम रामपुर नौआबाद थाना हल्दौर के साथ मिलकर 4 नवंबर की रात जयप्रकाश के घर से ट्रॉली चोरी की थी। चोरी के बाद वे ट्रॉली को जॉन डियर ट्रैक्टर से खींचकर ले गए थे।आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने मोतीपुर के पास कांवड़िया गोदाम के समीप खाली पड़ी जमीन से चोरी की गई ट्रॉली और एक जॉन डियर ट्रैक्टर बरामद किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने बताया कि वह अपने दोनों साथियों के वर्तमान ठिकाने की जानकारी नहीं रखता है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजने की कार्रवाई की गई है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी अमर सिंह राठौर, उपनिरीक्षक आशीष पुनिया, उपनिरीक्षक रवींद्र कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

कान्हा गौ आश्रय स्थल में श्रद्धा और भक्तिभाव से मनाई गई गोवर्धन पूजा

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद नहटौर के कान्हा गौ आश्रय स्थल में मंगलवार को गोवर्धन पूजा का पर्व श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गोबर से गोवर्धन महाराज की सुंदर प्रतिमा तैयार कर उसे फूलों से आकर्षक रूप से सजाया गया। इसके बाद विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर गोवर्धन महाराज को पूजा सामग्री अर्पित की गई।

कार्यक्रम में अधिशासी अधिकारी रवि शंकर शुक्ला ने विधि-विधान से गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना



की। इस दौरान उन्होंने गौवंश के संरक्षण, सेवा और संवर्धन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा में गाय का विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व है। गाय से प्राप्त दूध, गोबर और गोमूत्र मानव जीवन के लिए उपयोगी हैं। गौसेवा को भारतीय संस्कृति में पुण्य का कार्य माना गया है। उन्होंने सभी से गौवंश की सेवा और संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी रवि शंकर शुक्ला, वरिष्ठ लिपिक विशेष कुमार उपाध्याय, लिपिक रमेश चंद शर्मा, कपिल शर्मा, नामित सभासद सावन सूद, गजेंद्र सिंह हर्ष जैन, सलीम अहमद, गौरव त्यागी, अमित चौधरी, सहदेव सिंह फरमान, विपिन, इंदल कुमार मेघराज, विशाल वर्मा, आशीष थोरिया, तालिब सहित नगर पालिका के कर्मचारी मौजूद रहे।

समाजसेवी व्यापारी मनोज अरोड़ा के निधन से नगर में शोक की लहर, परिजनों में मचा कोहराम

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- ग्राम मूस्सेपुर स्थित विकलांगों के आश्रम में उनके लिए भंडारे की तैयारी करा रहे समाजसेवी एवं व्यापारी मनोज अरोड़ा कि हृदय गति रकने से निधन हो गया उनके निधन का समाचार सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया क्षेत्र में शोक कि लहर दौड़ गई, उनके दर्शनों के लिए देर रात तक तांता लगा रहा। मोहल्ला नालबंदान अग्रवाल धर्मशाला के टिकट निवासी व्यापारी अग्रणी समाजसेवी मनोज अरोड़ा पुत्र रमेश चंद अरोड़ा सोमवार को नजीबाबाद क्षेत्र के ग्राम मूस्सेपुर स्थित विकलांगों के आश्रम मे विकलांगों के लिए सोमवार की रात को अपने परिवार के साथ भडारे (रात्रि भोज) की तैयारी करा रहे थे कि अचानक शाम 6:30 बजे हॉट फेल होने से निधन हो गया। मनोज अरोड़ा का निधन होने के बाद देर शाम 7:30 बजे करीब उनका शव जैसे ही उनका शव नगीना उनके पैतृक निवास पहुंचा परिवार में कोहराम सा मच गया और क्षेत्र में शोक कि लहर दौड़ गई। मनोज अरोड़ा समाजसेवी और बड़े व्यापारी के साथ साथ कुशल और मधुर व्यवहार वाले थे, वे हमेशा मुस्कुराया करते थे और अपने संपर्क के लोगों को सादगी भरा जीवन जीने कि सिख देते रहते थे,, फुर्सत के समय में वह (सुबह शाम) नगर में साइकिल से खरीदारी करते देखे जाते थे। जैसे ही मनोज अरोड़ा के निधन



की सूचना उनके शुभचिंता को मिली उनके अंतिम दर्शनों के लिए उनके पैतृकक निवास नालबंदान सुनहरो के बाजार में देर रात तक टांटा लगा रहा, सपा विधायक, मनोज पारस, पूर्व सांसद मुंशी रामपाल, पूर्व क्षेत्रीय मंत्री अनूप वल्मीकि, राजकुमार सेठी, शाहनवाज खलील, पूर्व विधायक सतीश कुमार, प्रहलाद कुशवाहा,, भाजपा जिला उपाध्यक्षनीरज बिश्रोई, डॉ संदीप शर्मा, विशाल गप्ता, डा रतेंद्र बिश्नोई, अफसर सिद्दीकी, मनोज वाल्मीकि, सुनील उर्फ सहिल, गौरव अग्रवाल ज्वेलर्स, शीतल अग्रवाल, शरद अग्रवाल, प्रदीप गर्ग, भाजपा नेता रोशन लाल, भूपेश चौहान सोहन सनी, बार अध्यक्ष दीपक बिश्नोई पंकज अग्रवाल, राधे बश्नोई, राजकुमार बिश्नोई, कपिल पवार सभासद,, राजकुमार उर्फ जोनी, सौरभ मित्तल, लवी मित्तल, सहीत सकड़ो समाजसेवी व्यापारी राजनीतिक लोग मौजूद रहे।

कैलाश लाम्बा ने गांव फलोदी में धामपुर शुगर मिल के गन्ना क्रय केंद्र का किया शुभारंभ

नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव फलोदी में धामपुर शुगर मिल के गन्ना क्रय केंद्र का शुभारंभ किया गया। राष्ट्रीय मजदूर किसान संगठन के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रदेश महासचिव कैलाश लाम्बा ने फीता काटकर केंद्र का उद्घाटन किया। इस दौरान कैन मैनेजर हरजेंद्र सिंह ने बताया कि पहले इस केंद्र पर तौल कांटे की क्षमता कम होने के कारण क्षेत्रीय किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। किसानों



की इस समस्या को देखते हुए मिल प्रशासन ने केंद्र पर बड़ी क्षमता की प्लेट (कांटा) स्थापित कर दी है, जिससे अब किसान अपने वाहनों पर आसानी से गन्ना लाकर तुलवा सकें। उद्घाटन के बाद केंद्र पर गन्ने की तौल का कार्य तेजी और सुचारू रूप से शुरू हो गया, जिससे स्थानीय किसानों में खुशी का माहौल है। किसान नेता कैलाश लाम्बा ने मिल प्रशासन के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि इससे किसानों को बड़ी राहत मिली है। इस अवसर पर कैन मैनेजर हरजेंद्र सिंह, जोनल इंस्पेक्टर नलवा सिंह, महेंद्र सिंह प्रधान, राजपाल भगत, लोकेंद्र डोडवाल, उदित चौधरी, नरेश प्रधान सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

चंदक फाटक पर बाइक सवार दंपती को रोककर मारपीट व अभद्रता का आरोप, थाने में दी तहरीर

पांच लोगों पर गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप, पुलिस ने शुरू की जांच

मंडावर/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र के चंदक फाटक पर बाइक सवार दंपती के साथ मारपीट और गाली-गलौज करने का मामला सामने आया है। पीड़ितों ने पांच लोगों पर रास्ता रोककर मारपीट करने तथा महिला के साथ अभद्रता करने का आरोप लगाते हुए थानाध्यक्ष मंडावर को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

गांव खानपुर माधी उर्फ तिमरपुर निवासी शाहनवाज पुत्र खुर्शीद अहमद और नौशाद अहमद पुत्र अंसार अहमद के अनुसार, सोमवार को करीब 11:30 बजे वे बाइक से राजपुर जा रहे थे। आरोप है कि जैसे ही वे चंदक फाटक पर पहुंचे, वहां



पहले से मौजूद आशु पुत्र हीरा, प्रांशु पुत्र रामबहादुर, हिमांशु पुत्र स्वर्गीय सतेंद्र, संदीप पुत्र नामालूम तथा शायमुब पुत्र नामालूम निवासी दौलतपुर ने उनका रास्ता रोक लिया।आरोप है कि उक्त लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर उनकी पत्नी के साथ भी मारपीट और अभद्रता की गई। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए, जिन्हें देखकर आरोपी मौके से फरार हो गए।

पीड़ितों ने थानाध्यक्ष मंडावर को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

वासु वाल्मीकि अध्यक्ष और संजय वाल्मीकि महामंत्री चुने गए

जनवरी में लखनऊ कूच की तैयारी का आह्वान, सफाई कर्मचारियों के अधिकारों के लिए एकजुट होने पर दिया जोर

नगीना/बिजनौर (सब का सपना):- उत्तर प्रदेशीय सफाई मजदूर संघ की नगीना शाखा की बैठक में सर्वसम्मति से वासु वाल्मीकि को अध्यक्ष तथा संजय वाल्मीकि को महामंत्री चुना गया। शेष कार्यकारिणी की घोषणा बाद में की जाएगी।

सोमवार को वाल्मीकि बस्ती स्थित पं. राजेंद्र कुमार के आवास पर उत्तर प्रदेशीय सफाई मजदूर संघ की बैठक महेश उर्फ दारा वाल्मीकि की अध्यक्षता तथा करन संतोषी के संचालन में आयोजित की गई। बैठक में धामपुर से पहुंचे संघ के जिलाध्यक्ष आशीष कुमार और जिला महामंत्री रविंद्र चैनवाल का पगड़ी पहनाकर एवं फूलमालाओं से स्वागत किया गया। महेश उर्फ दारा का भी पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया। बैठक में नगीना शाखा के गठन के दौरान वासु वाल्मीकि को अध्यक्ष और संजय वाल्मीकि को महामंत्री पद की जिम्मेदारी सर्वसम्मति से सौंपी गई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का



जिलाध्यक्ष आशीष कुमार, महेश उर्फ दारा और सभासद कपिल पवार ने संयुक्त रूप से पगड़ी पहनाकर एवं फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष आशीष कुमार ने कहा कि जब तक सफाई कर्मचारी एकजुट होकर अपनी ताकत का एहसास सरकार को नहीं कराएंगे, तब तक उन्हें अपने अधिकार मिलना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि नगर पालिकाओं में कार्यरत आउटसोर्सिंग और संविदा सफाई कर्मचारियों को स्थायी नहीं किया जा रहा है और न ही शासन द्वारा जारी वेतन वृद्धि का लाभ दिया जा रहा है। सफाई कर्मचारियों को बंधुआ मजदूरों की तरह रखा जा रहा है। उन्होंने लखनऊ में हुए प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि कर्मचारियों के छोटे से विरोध प्रदर्शन के बाद ही सरकार ने आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों के वेतनमान से संबंधित शासनादेश लागू किया, जिसका लाभ पालिका कर्मचारियों को मिल रहा है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से जनवरी में लखनऊ कूच के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

महेश उर्फ दारा ने संगठन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस दौरान रोहित भगत, सागर कुमार, श्रीकांत, दीपक कुमार, महेंद्र कुमार, मोनू कुमार, रोहित कुमार और संजीव कुमार सहित अन्य लोगों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत किया।

बैठक में स्वाती देवी, पूजा रानी, गीता रानी, सीमा देवी, सुमन, लक्ष्मी, पूजा, सोनी, नितिन, सुनील, सचिन कुमार, विकास कुमार, धीरज (धामपुर), अनिल (धामपुर), रविंद्र चैनवाल (नहटौर), राजीव (धामपुर), राजकुमार (जलालाबाद), साजन कुमार, श्रीकांत, नितिन कुमार, मनोज कुमार, मोनू कुमार और नरेश कुमार आदि मौजूद रहे।

जाम से निपटने के लिए हल्दौर चौराहे से झालू चौराहे तक लगाया गया अस्थाई डिवाइडर



नहटौर/बिजनौर (सब का सपना):- भैया दूज के पर्व को देखते हुए नगर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और राहगीरों को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। इसी क्रम में थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार के निर्देशन में पुलिस ने सराहनीय कदम उठाते हुए सोमवार को नहटौर के व्यस्त हल्दौर चौराहे से झालू चौराहे तक सड़क के बीचों-बीच सेफ्टी कोन लगाकर अस्थायी डिवाइडर तैयार किए हैं। त्योहार के दिनों में बाजारों और मुख्य मार्गों पर बढ़ने वाली भीड़ के कारण अक्सर जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है, जिससे आम जनता और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

इस समस्या का त्वरित समाधान करते हुए पुलिस द्वारा लगाए गए इन अस्थायी बैरिकेडिंग कोन से वाहनों का आवागमन व्यवस्थित रहेगा और बेतरतीब तरीके से वाहन खड़े करने या ओवरटेकिंग पर लगाम लगेगी। थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार ने बताया कि जाम न लगने के लिए ये व्यवस्था की गई है ताकि वाहनों का आवागमन सुचारू रूप से किया जा सके। साथ ही दुकानदारों को भी निर्देश दिए गए है कि अनावश्यक रूप से कोई वाहन खड़ा न करे और अतिक्रमण न करें। मामला संज्ञान में आने पर कार्रवाई की जाएगी।

6 सब का सपना
हिंदी दैनिक
हरियाणा / बुलंदशहर
अमरोहा
बुधवार 11 नवम्बर 2026
www.sabkasapna.com

पंजाब को दहलाने की कोशिश नाकाम, अमृतसर से आरपीजी बरामद; पुलिस ने हथियार और ड्रग्स की बड़ी खेप की बरामद

अमृतसर। अमृतसर में पुलिस और केंद्रीय एजेंसी ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए पंजाब को दहलाने की बड़ी साजिश नाकाम कर दी है। पुलिस ने हथियारों और ड्रग्स के साथ रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (RPG) जैसे खतरनाक सैन्य हथियार को भी रिकवर किया हैं। इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से एक आरपीजी (22 NETTO), दो अवैध पिस्तौल, एक सौ छह जिंदा कारतूस, सात किलोग्राम से अधिक हेरोइन, पांच किलोग्राम से ज्यादा अफीम, अढ़ाई किलोग्राम के करीब आइस, एक ड्रोन, एक जीपीएस ट्रैकर और पांच मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

पुलिस इस बात की गहराई से जांच कर रही है कि इस खतरनाक आरपीजी का इस्तेमाल कहां और किस बड़ी वारदात



अमृतसर ग्रामीण पुलिस और केंद्रीय एजेंसी ने संयुक्त कार्रवाई कर एक आरपीजी, भारी मात्रा में हथियार और हेरोइन बरामद की है, तथा सात तस्करों को गिरफ्तार किया है।

को अंजाम देने के लिए किया जाना था।अमृतसर में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू इस मामले को लेकर अमृतसर के विभिन्न थानों में अलग-अलग गंभीर धाराओं के तहत मुकदमे दर्ज किए गए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार थाना घरिंडा, थाना लोपोके और थाना भिंडीसैदा में एफआईआर दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस अब इस अंतरराष्ट्रीय रैकेट के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज को खंगालने में जुटी है, ताकि इस अवैध धंधे और हथियार सिंडिकेट में शामिल अन्य चेहरों को भी जल्द बेनकाब किया जा सके।

सिविल अस्पताल अजनाला में बंद शौचालय देख भड़के AAP विधायक, प्रशासन को लगाई फटकार; तुरंत खुलवाने के दिए आदेश



अमृतसर। अमृतसर के सिविल अस्पताल अजनाला में फैली अव्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे विधायक कुलदीप सिंह धालीवाल के सामने अस्पताल में बंद शौचालयों का मामला सामने आया। अस्पताल में उपचार के लिए पहुंची महिलाओं ने शिकायत की कि शौचालयों पर ताले लगे होने के कारण उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस पर विधायक ने संबंधित अधिकारियों और डाक्टरों को मौके पर बुलाकर जवाब मांगा और तत्काल शौचालय खुलवाने के निर्देश दिए। सामने आया कि अस्पताल में 6 शौचालय हैं और सभी पर ताले लगे हुए थे। जिसके कारण, खासकर महिलाओं को अधिक मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। मरम्मत के कारण रखे गए बंद अस्पताल स्टाफ ने विधायक को बताया कि शौचालयों में मरम्मत का काम चल रहा है, जिस कारण इन्हें अस्थायी रूप से बंद किया गया है। इस पर धालीवाल ने कहा कि मरम्मत कार्य के दौरान भी मरीजों और उनके स्वजनों की सुविधा का ध्यान रखना जरूरी है। अस्पताल में छह शौचालय हैं तो कम से कम एक या दो शौचालय खुले रखे जाने चाहिए थे, ताकि मरीजों को परेशानी न हो। विधायक के निर्देश पर दो शौचालय तत्काल खुलवा दिए गए।कर्मचारियों ने भी रखीं अपनी समस्याएं इस दौरान रात्रि ड्यूटी करने वाले कर्मचारियों ने भी अपनी समस्या विधायक के सामने रखी। उन्होंने बताया कि रात के समय शौचालय बंद होने के कारण उन्हें अस्पताल से बाहर जाना पड़ता है। इससे मरीजों को छोड़कर जाने की स्थिति बनती है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से इस समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की। विधायक ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का जायजा लिया और मरीजों से बात कर स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा भी की।

पंजाब में बस यात्रियों की बढ़ सकती है परेशानी, पनबस-पीआरटीसी कर्मचारियों की 16 से हड़ताल की चेतावनी

मोहाली। पंजाब में एक बार फिर बस यात्रियों की परेशानी बढ़ सकती है। मांगों का समाधान न होने से पंजाब रोडवेज पनबस और पीआरटीसी के कच्चे कर्मचारियों का सरकार के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। यूनियन नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द मांगों का समाधान नहीं किया गया तो 16 नवंबर से हड़ताल शुरू की जाएगी। मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री के आवास का घेराव भी किया जाएगा। नेताओं ने कहा कि अब मुलाजिम सरकार के आश्वासनों के भरोसे नहीं बैठेंगे। नाराज पंजाब रोडवेज पनबस/पीआरटीसी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन ने सोमवार को प्रदेशभर के डिपो के गेट पर रैलियां कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। रूपनगर डिपो में आयोजित रैली के दौरान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष भगत सिंह भगता ने कहा कि सरकार के साथ अब तक 65 से 70 बैठकें हो चुकी हैं, लेकिन हर बार आश्वासन मिलने के बावजूद मुलाजिमों की मांगों पर कोई फैसला नहीं हुआ।भगत सिंह भगता ने कहा कि पनबस में 11 से 12 वर्षों से काम कर रहे कॉन्ट्रैक्ट मुलाजिमों को सर्विस रूल के तहत पक्का करने का मामला लगातार लटकाया जा रहा है। पर्सोनल और वित्त विभाग की मंजूरी के बाद नियम तैयार होने के बावजूद इन्हें कैबिनेट में पास कर लागू नहीं किया जा रहा।वहीं, 14 अगस्त 2026 के एक्ट नंबर-10 के तहत पनबस और



पीआरटीसी के आउटसोर्स मुलाजिमों को सीधे विभाग के अधीन कांट्रैक्ट पर रखने की प्रक्रिया भी आगे नहीं बढ़ रही।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने ठेकेदारों और बिचौलियों को सिस्टम से बाहर करने का वादा किया था। 26 अक्टूबर को पटियाला में पीआरटीसी मुलाजिमों को कॉन्ट्रैक्ट पर रखने के ऑफर लेटर भी दिए गए, लेकिन आज तक एक भी मुलाजिम को कॉन्ट्रैक्ट पर नहीं किया गया। सरकार अब तीन से पांच साल आउटसोर्स आधार पर काम करने की शर्त लगाकर मुलाजिमों को राहत देने से बच रही है। 29 अक्टूबर को परिवहन मंत्री और पर्सोनल विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक में दो दिन के भीतर मांगों का समाधान करने का भरोसा दिया गया था। 31 अक्टूबर की कैबिनेट बैठक में सर्विस रूल पास करने का आश्वासन भी मिला, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि परिवहन मंत्री के निर्देशों के बावजूद संबंधित अधिकारी फाइलें पर्सोनल विभाग को नहीं भेज रहे हैं।

ये हैं मुलाजिमों की प्रमुख मांगें

14 अगस्त 2026 के एक्ट नंबर-10 के तहत आउटसोर्स मुलाजिमों को सीधे विभाग के अधीन कांट्रैक्ट पर रखा जाए। पनबस के 11-12 वर्षों से कार्यरत कॉन्ट्रैक्ट मुलाजिमों को पीआरटीसी की तर्ज पर सर्विस रूल के अनुसार पक्का किया जाए।

नए भर्ती हुए और एक्ट के दायरे से बाहर रह गए मुलाजिमों को भी एक्ट में शामिल किया जाए।

संघर्ष के दौरान मुलाजिमों पर दर्ज पुलिस केस रद किए जाएं।

विभागीय मामलों को पुलिस वेरिफिकेशन में बाधा न माना जाए।

अनुचित शर्तों के आधार पर नौकरी से निकाले गए मुलाजिमों को बहाल किया जाए।

पंजाब में पोटाश खनन की उम्मीद बढ़ी, केंद्र ने दी 35 बोरहोल की अनुमति; मार्च से शुरू हो सकता है सर्वेक्षण

चंडीगढ़। पंजाब में पोटाश की खोज को बड़ी गति मिली है। केंद्रीय खनन मंत्रालय ने राज्य के सीमावर्ती क्षेत्र में पोटाश की खोज के लिए 35 बोरहोल की अनुमति दे दी है। यह जानकारी पंजाब के खनन एवं भू-विज्ञान मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने गोवा में हुई खनन मंत्रियों के सम्मेलन के बाद दी।

खनन एवं कोयला क्षेत्र में सुधारों पर खनन मंत्रियों का सम्मेलन गोवा के बेनौलिम में 5-6 नवंबर 2026 को हुआ। इसकी अध्यक्षता केंद्रीय कोयला एवं खनन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने की। पंजाब की ओर से बरिंदर कुमार गोयल ने हिस्सा लिया।दो सीमावर्ती जिलों में पोटाश

पोटाश का भंडार पंजाब के फाजिल्का और श्री मुक्तसर साहिब जिलों में मिला है। यह उसी नागौर-गंगानगर इवेपोराइट बेसिन का हिस्सा है, जो राजस्थान से होते हुए पंजाब के दक्षिण-पश्चिम में फैला हुआ है।

गोयल ने बताया कि यह भंडार दशकों पहले ही चिन्हित हो गया था, लेकिन इस पर गंभीरता से काम नहीं हुआ। 2022-23 में इस अहम खनिज का आकलन करने के लिए सिर्फ 8



केंद्रीय खनन मंत्रालय ने पंजाब के फाजिल्का और श्री मुक्तसर साहिब जिलों में पोटाश की खोज के लिए 35 नए बोरहोल खोदने की मंजूरी दे दी है।

बोरहोल ही किए गए थे।

उन्होंने 10 जनवरी को गुजरात के गांधीनगर में हुई पिछली बैठक - राष्ट्रीय खनिज चिंतन शिविर-2026 - में भी इस मुद्दे को उठाया था और खोज प्रक्रिया को तेज करने की मांग की थी।अब 35 बोरहोल की अनुमति गोवा में गोयल ने 35 बोरहोल की अनुमति देने पर केंद्रीय मंत्री रेड्डी का धन्यवाद किया और आगे की प्रक्रिया भी जल्द पूरी करने की मांग की, ताकि आने वाले मार्च में खोज का काम शुरू हो सके।पोटाश क्यों है अहम?

पोटाश दुनियाभर में मांग वाला क्रिटिकल मिनरल है, जिसका मुख्य इस्तेमाल खाद बनाने में होता है। भारत अभी अपनी पोटाश की जरूरत का लगभग 100 प्रतिशत आयात करता है, ज्यादातर कनाडा और रूस से।

गोयल ने कहा कि अगर खोज सफल रही और खनन शुरू हुआ, तो इससे न सिर्फ पंजाब, बल्कि पूरे भारत की अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। आयात पर निर्भरता घटेगी, राज्य को रॉयल्टी मिलेगी और मालवा बेल्ट में रोजगार पैदा होगा।

मोहाली में आग हुई विकराल, थाने में खड़ी जब्त की गई गाड़ियों में चिंगारी से सुलगी थी; धुएं का गुबार देख दशहत में लोग



मोहाली। फेज-7 स्थित ऑपरेशन सेल के थाने के पास जब्त की गई गाड़ियों में लगी आग शांत होने के दो दिन बाद मंगलवार दोपहर फिर सुलग उठी। आग इतनी विकराल हो गई कि कई गाड़ियां भी जलखर राख हो गई। आसपास धुएं का गुबार देखकर लोगों में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

दो दिन पहले भी इसी जगह पर खड़ी गाड़ियों में पटाखों की चिंगारी गिरने से आग लग गई थी, जिसमें कई वाहन जलकर खाक हो गए थे।ये सभी गाड़ियां विभिन्न मामलों में पुलिस की ओर से जब्त की गई थीं और थाने के रिकॉर्ड में शामिल थीं। लगातार दूसरी बार आग लगने की घटना से आसपास रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है।जब्त की गई गाड़ियों को हटाने की मांग इलाके की पार्षद अनुराधा आनंद ने कहा कि ऑपरेशन सेल थाने में लंबे समय से खड़ी इन जब्त की गई गाड़ियों को यहां से हटाया जाना चाहिए, ताकि आसपास के रिहायशी इलाके में रहने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि गाड़ियों के आसपास का क्षेत्र जंगल में तब्दील हो चुका है, जहां से सांप, बिच्छू और अन्य जंगली जीव निकलकर लोगों के घरों की तरफ आते हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि इस जगह की सफाई करवाकर यहां खड़े वाहनों को हटाया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

अबोहर संत नगर गोलीकांड, 21 दिन बाद निकली अजय वाल्मीकि की शव यात्रा; मांगों को लेकर बाजार में लगाया धरना



अबोहर। अबोहर के संत नगर में हुए गोलीकांड में मारे गए अजय वाल्मीकि का अदालत के आदेशों पर पीजीआई में पोस्टमार्टम होने के करीब 21 दिन बाद मंगलवार को अंतिम संस्कार के लिए स्वजनों व समाज के लोगों ने सरकारी अस्पताल से शव यात्रा शुरू की। शव यात्रा में बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए। इस दौरान काफी संख्या में पुलिस बल भी मौजूद रहा। जब यह शव यात्रा बाजार नंबर 12 के बाहर पहुंची तो स्वजनों व समाज के लोगों ने शव वैन को वहीं रोककर धरना लगा दिया और चारों तरफ का रास्ता बंद कर दिया। स्वजनों का आरोप था कि प्रशासन ने जो वादे स्वजनों के साथ किए थे और जो मांगे मानी गई थीं, उन्हें लागू नहीं किया गया। धरना लगने के बाद प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए। इस दौरान समाज के लोगों ने प्रशासन को चेतावनी दी कि अगर एक घंटे के अंदर-अंदर मानी गई मांगों को लागू नहीं किया गया तो यह धरना पक्के तौर पर शुरू कर दिया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। इस दौरान पंजाब सरकार व पंजाब पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई।क्या है पूरा मामला

गौरतलब है कि 27 सितंबर को अजय को संत नगर स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर के बाहर अज्ञात युवक द्वारा गोली मार दी गई थी। गंभीर रूप से घायल हुए अजय का करीब 22 दिन तक इलाज चला, लेकिन 19 अक्टूबर को उसकी मौत हो गई।इसके बाद 20 अक्टूबर से स्वजनों व समाज के लोगों द्वारा अजय के बयानों पर कार्रवाई की मांग को लेकर सरकारी अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना शुरू कर दिया गया।शव यात्रा रोककर बाजार में लगाया धरना सुनवाई न होने व इंसाफ न मिलने पर स्वजनों ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर की। अदालत के आदेशों पर शव का पीजीआई से पोस्टमार्टम करवाया गया।करीब 21 दिन बाद मंगलवार दोपहर करीब दो बजे अंतिम संस्कार के लिए शव यात्रा शुरू की गई, जो गौशाला रोड से होती हुई बाजार नंबर 12 पहुंची। वहां शव को वैन में रखकर धरना लगा दिया गया और चारों तरफ से रास्ता बंद कर दिया गया।मामले की सूचना मिलने पर डीएसपी हरीश कुमार व तहसीलदार मौके पर पहुंचे, लेकिन समाचार लिखे जाने तक धरना जारी था।

कार वापस मांगने पर भड़का दामाद, जालंधर में साथियों संग ससुर पर चलाई गोली; हाथ को चीरती हुई आर-पार निकली

जालंधर। जालंधर के श्री स्टार पैराडाइज कालोनी में कार वापस मांगने को लेकर शुरू हुए विवाद में दामाद ने अपने साथियों के साथ मिलकर ससुर पर गोली चला दी। गोली ईश्वर सिंह के हाथ को आर-पार कर गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात के बाद आरोपित अपने साथियों सहित मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना डिवीजन नंबर आठ की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घायल ईश्वर सिंह के बेटे गगनदीप सिंह ने बताया कि उनके जीजा के पास उनके एक दोस्त की कार थी। कार वापस लेने के लिए परिवार की ओर से उसे बुलाया गया था। इसी दौरान कार लौटाने की बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो



गई।देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपित के साथ आए युवकों ने हथियार निकाल लिए। गगनदीप के अनुसार, आरोपियों ने दो फायर किए। इस दौरान उनके पिता बीच में आ गए और उन्हें बचाने का प्रयास करने लगे। इसी दौरान एक गोली उनके पिता के हाथ में लगी और आर-पार हो गई।बेटी को भी परेशान करता था आरोपी परिवार ने आरोप लगाया कि आरोपी पहले से ही उनकी बेटी को परेशान करता आ रहा है और दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। उनका दावा है कि आरोपित नशे का आदी है और उसके पास अवैध हथियार भी रहते हैं। परिवार की ओर से पहले भी आरोपी के खिलाफ शिकायतें दी जा चुकी हैं, लेकिन विवाद थमा नहीं।पुलिस ने कार्रवाई की शुरू घायल ईश्वर सिंह को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। स्वजनों के मुताबिक उनकी हालत फिलहाल स्थिर है। उधर, पुलिस घटनास्थल से संबंधित जानकारी जुटा रही है और आरोपितों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए तलाश कर रही है। थाना आठ के प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए सीसीटीवी फुटेज चेक किए गए हैं और जल्द ही उनको गिरफ्तार किया जाएगा।

ट्राईसिटी में हेरोइन सप्लाई करने वाले 4 गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार बरामद; पाकिस्तानी नेटवर्क से जुड़ाव की आशंका

मोहाली। ट्राईसिटी में हेरोइन सप्लाई करने वाले गिरोह का मंगलवार को मोहाली पुलिस ने पदार्फाश किया है। चार तस्करों को गिरफ्तार कर 100 ग्राम हेरोइन, पांच पिस्टल, एक लाख रुपये की ड्रग मनी और एक क्रेटा कार बरामद की है।

शुरूआती जांच में गिरोह के तार पाकिस्तान आधारित तस्करी नेटवर्क (पाकिस्तान बेस्ड पीआईओ) से जुड़े होने की आशंका सामने आई है।' पुलिस के अनुसार चारों स्कूल ड्रापआउट हैं और पिछले दो से तीन साल से नशा तस्करी के इस धंधे में सक्रिय थे।गिरफ्तार आरोपितों की पहचान फिरोजपुर जिले के गांव गुरहरसहाय का मनप्रीत सिंह, गांव काकनवाला का सुनील सिंह, गांव इसा गरम, गुरहरसहाय का गुरप्रीत, गांव चक्क लिटिलवाला का सुखचैन



सिंह के रूप में हुई है।

पुलिस जांच के मुताबिक आरोपित सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से भेजी जाने वाली हेरोइन की खेप हासिल करते थे। इसके बाद इस नशे को ट्राईसिटी के अलग-अलग इलाकों में सप्लाई किया जाता था।

पुलिस को शक है कि आरोपित पाकिस्तान आधारित पीआईओ के संपर्क में थे और सीमा पार से नशे की खेप मंगवाने के लिए तस्करी नेटवर्क के साथ तालमेल रखते थे। अब पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि ड्रोन के जरिए खेप किस स्थान पर गिराई जाती थी और उसे आरोपितों तक पहुंचाने में कौन-कौन लोग शामिल थे।मोबाइल फोन की फोरेंसिक जांच से खुलेगा नेटवर्क का राज पुलिस ने आरोपितों के मोबाइल फोन फोरेंसिक जांच के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मोबाइल फोन में मौजूद कॉल डिटेल, संपर्कों और अन्य डिजिटल जानकारियों के आधार पर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आरोपित किन लोगों के संपर्क में थे।

पुलिस की जांच का मुख्य फोकस सीमा पार से नशे की खेप भेजने वाले लोगों, स्थानीय सप्लाई नेटवर्क और गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की पहचान करना है। मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21-61-85 और आर्म्स एक्ट की धाराओं 25-54-59 के तहत केस दर्ज किया गया है।

नलिनी मलिक क्या जमानत पर जेल से आएगी बाहर? चंडीगढ़ में करोड़ों के घोटाले में सीबीआई कोर्ट कल सुनाएगी फैसला



चंडीगढ़। स्मार्ट सिटी में 116.84 करोड़ रुपये के घोटाले की मुख्य आरोपित पूर्व चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) नलिनी मलिक ने सीबीआई कोर्ट में दोबारा जमानत अर्जी दायर की है। वह करीब आठ महीने से जेल में है। कोर्ट ने अर्जी पर जवाब देने के लिए सीबीआई को नोटिस जारी किया है। मामले की सुनवाई 11 नवंबर यानी बुधवार को होगी। आरोप है कि नलिनी ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के अधिकारियों के साथ मिलकर घोटाले को अंजाम दिया। स्मार्ट सिटी लिमिटेड का काफी फंड बैंक में जमा था। परियोजना समाप्त होने के बाद यह रकम नगर निगम को हस्तांतरित की जानी थी, लेकिन आरोप के मुताबिक बैंक अधिकारियों ने पैसा निकालकर फर्जी कंपनियों के जरिये रियल एस्टेट में निवेश किया।जांच के अनुसार, नगर निगम चंडीगढ़ के खाते में करोड़ों रुपये जाने थे, लेकिन स्मार्ट सिटी से सिर्फ 81.20 रुपये मिले। आरोप है कि बाकी रकम आरोपितों ने आपस में बांट ली। नलिनी ने अन्य अधिकारियों और आईडीएफसी बैंक कर्मियों के साथ मिलकर संदेह से बचने के लिए 11 फर्जी एफडी तैयार कीं। बाद में जाली कंपनियां बनाकर एफडी की रकम निवेश की गई।

पंजाब विधानसभा चुनाव 2027: कांग्रेस की चुनावी तैयारियां तेज, टिकट बंटवारे से लेकर प्रचार की रणनीति पर हुआ मंथन

चंडीगढ़। पंजाब में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित पंजाब कांग्रेस भवन में सुबह से ही बैठकों का दौर जारी रहा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष परगट सिंह की अगुवाई में पार्टी के जिला प्रधानों और हलका प्रधानों के साथ बैठकें कर चुनावी तैयारियों का फीडबैक लिया गया। इन बैठकों में प्रदेश के अलग-अलग जिलों में कांग्रेस की मौजूदा स्थिति, संगठन की मजबूती और संभावित उम्मीदवारों को लेकर चर्चा हुई। बैठक में जिला प्रधानों से उनके क्षेत्रों की राजनीतिक स्थिति और चुनावी संभावनाओं के बारे में लिखित और मौखिक दोनों तरीकों से फीडबैक लिया गया। नेताओं ने अपने-अपने जिलों में पार्टी की स्थिति, चुनावी चुनौतियों और संगठन को मजबूत करने के लिए सुझाव रखे।इसके साथ ही उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। पार्टी की ओर से जिला और हलका स्तर पर फीडबैक लेने के अलावा अलग-अलग स्तर पर सर्वे भी करवाए जा रहे हैं। इन सभी रिपोर्टों के आधार पर ही टिकट वितरण को लेकर अंतिम फैसला लिया जाएगा।मेनिफेस्टो कमेटी के साथ भी बैठक बैठकों के सिलसिले में मेनिफेस्टो कमेटी की बैठक भी हुई। कमेटी के अध्यक्ष डॉ. अमर सिंह और अन्य सदस्यों ने चुनावी घोषणा पत्र की तैयारियों और पंजाब के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि पार्टी की कोशिश है कि घोषणा पत्र तैयार करने से पहले प्रदेश के हर वर्ग और हर क्षेत्र से सुझाव लिए जाएं।

इसके लिए हेल्पलाइन नंबर जारी करने और लोगों से लिखित सुझाव लेने की योजना पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि आम नागरिक भी अपनी समस्याओं



और अपेक्षाओं को पार्टी तक पहुंचा सकें।तीन से चार चरणों में चलेगा चुनाव प्रचार

बैठकों में आने वाले दिनों में चुनाव प्रचार को तेजी से आगे बढ़ाने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। कांग्रेस पंजाब में चुनाव प्रचार को तीन से चार चरणों में संचालित करने की तैयारी कर रही है। इसके तहत पूरे प्रदेश को कवर किया जाएगा। राहुल गांधी की संगरूर रैली के बाद अब प्रियंका गांधी वाड्रा को भी पंजाब लाने की योजना है।

पार्टी की तैयारी संगरूर में हुई रैली से भी बड़ी रैली आयोजित करने की है, जिसमें प्रियंका गांधी शामिल हो सकती हैं। पंजाब कांग्रेस की ओर से 12 नवंबर से शुरू होने वाली 'जवानी संभाल साइकिल यात्रा' में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ सचिन पायलट के भी शामिल होने की संभावना है।

आने वाले दिनों में चुनाव प्रचार में पंजाब कांग्रेस के नेताओं के अलावा मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और दिल्ली के अन्य वरिष्ठ नेताओं को भी शामिल करने की योजना है। हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों के कांग्रेस नेता भी पंजाब में प्रचार की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। पार्टी का प्रयास है कि चुनाव से पहले संगठन को मजबूत करने के साथ उम्मीदवारों के चयन और चुनावी मुद्दों पर भी स्पष्ट रणनीति तैयार कर ली जाए।

चंडीगढ़ की तेज गेंदबाज नंदिनी का दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए चयन, WPL में हैट्रिक लेकर बना चुकी रिकॉर्ड

चंडीगढ़। विमेन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में करियर के दूसरे ही मुकाबले में हैट्रिक लेकर रिकॉर्ड बुक में नाम दर्ज कराने वाली चंडीगढ़ के तेज गेंदबाज नंदिनी शर्मा का दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में चयन हुआ है। भारतीय टीम दौरे पर एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। दौरे का आगाज 9 दिसंबर को गेकेबरहा में एकमात्र टेस्ट से होगा। वनडे मुकाबले पार्ल, केपटाउन और ब्लोमफोंटेन में खेले जाएंगे। तीन टी20 मैच बेनोनी और पोटचेफस्ट्रूम में होंगे।इस साल की शुरूआत में नंदिनी यूटी क्रिकेट एसोसिएशन (यूटीसीए) की पहली खिलाड़ी बनी थीं, जिन्हें ऐतिहासिक लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर भारत की टेस्ट टीम में जगह मिली। हालांकि, उन्हें अब तक टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का मौका नहीं मिला है।यूटीसीए अध्यक्ष सारांश टंडन ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट और वनडे,



दोनों टीमों में नंदिनी का चयन चंडीगढ़ और यूटीसीए के लिए गर्व की बात है।घरेलू क्रिकेट से लार्ड्स और अब आल-फार्मेट विदेशी दौरे तक का सफर उनकी मेहनत, अनुशासन और लगातार शानदार प्रदर्शन का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि नंदिनी आगे भी चंडीगढ़ और देश का नाम रोशन करेंगी। चंडीगढ़ के लिए ही घरेलू क्रिकेट खेलती हैं नंदिनी शर्मा अपने परिवार समेत चंडीगढ़ की बापूधाम कॉलोनी में रहती हैं। वे चंडीगढ़ के लिए ही घरेलू क्रिकेट भी खेलती हैं। विमेन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में वह दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा हैं।

लीग में उन्होंने अब तक 10 मैच खेले हैं और 17 विकेट चटकाए हैं। इस दौरान उनकी औसत 18.58 की और इकोनॉमी 8.31 की रही है। 5/33 लीग में उनका बेस्ट गेंदबाजी प्रदर्शन है। नंदानी शर्मा ने WPL 2026 के एक ही मैच में हैट्रिक और पांच विकेट लेकर (5/33) इतिहास रच दिया था। विमंस टी20 विश्व कप 2026 के लिए हरमनप्रीत कौर को कप्तानी और स्मृति मंधाना को उपकप्तानी वाली टीम में भी चंडीगढ़ की उभरती स्टार क्रिकेटर नंदिनी शर्मा का चयन हुआ है।



निखारें चेहरा संवारें अपना भविष्य

मेकअप आर्टिस्ट किसी जवान इंसान को बूढ़ा बना देता है तो बूढ़े इंसान को जवान। यही नहीं, मेकअप में वो ताकत है, जो चरित्र के हिसाब से कलाकार का पूरा व्यक्तित्व बदल दे। सुंदर दिखने-दिखाने की चाहत व्यक्तिगत रुचि से लेकर व्यावसायिक कौशल तक फैली हुई है। यही कारण है कि मेकअप करना एक खास किस्म का हुनर है।

पार्टियों में जाने के लिए किए जाने वाले मेकअप से लेकर कलाकारों के मेकअप तक इसकी उपयोगिता से सभी परिचित हैं, लिहाजा यह मेकअप करना शौक भी हो सकता है और एक कामयाब करियर भी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि कुछ वर्ष पहले तक करियर के रूप में इसे अच्छी निगाह से नहीं देखा जाता था, लेकिन अब बाजार के बड़े-बड़े नामों ने इसमें सम्मान जोड़ दिया है। कुछ कामयाब नाम हैं- शहनाज हुसैन, भारती तनेजा, वंदना लूथरा, ब्लॉसम कोचर, सिल्वी इत्यादि। इन्होंने मेकअप आर्टिस्ट के रूप में शुरुआत की और आज बिजनेस ब्रांड के रूप में पूरे देश में जाने जाते हैं। यही वजह है कि अब मेकअप आर्टिस्ट के तौर पर करियर बनाने के इच्छुक युवा ट्रेनिंग लेने लगे हैं, ब्यूटी चेन में अच्छी जॉब उन्हें मिलने लगी है और कम पूंजी में खुद का व्यवसाय शुरू करने लगे हैं। आज मेकअप आर्टिस्ट सिर्फ फैशन मॉडल्स अथवा फिल्मी सितारों की ही जरूरत नहीं है। दूसरी जगहों पर भी इसकी खास डिमांड है। खासकर शादी के सीजन में इन लोगों की डिमांड बढ़ जाती है। अब तो इसमें भी स्पेशलाइजेशन हो गया है, जैसे कोई सिर्फ दूल्हे का मेकअप करता है तो कोई दुल्हन का। यहां आपको यह बता दें कि हर माध्यम के लिए अलग-अलग मेकअप होता है। टीवी/फिल्मी कलाकारों का मेकअप अलग होता है तो थिएटर में काम करने वालों का अलग। स्टेज आर्टिस्ट का मेकअप टीवी आर्टिस्ट की तुलना में चटक होगा। किसी कैरेक्टर को उसकी उम्र से अलग दिखाना है तो उसका मेकअप अलग होगा, वहीं जले या दाग दिखाने के लिए मेकअप अलग होगा। शहर और वहां की जलवायु के मुताबिक भी मेकअप किया जाता है। जैसे मुंबई में हवा में नमी रहती है, इसलिए पसीने को ध्यान में रख कर ऐसा मेकअप करना पड़ता है कि वह खराब न हो। वहीं राजस्थान में मेकअप के लिए अलग चीजों का इस्तेमाल करना पड़ता है। यह तभी संभव है, जब मेकअप आर्टिस्ट को इसका ठीक-ठीक ज्ञान हो कि स्थान, उम्र और जरूरत के लिहाज से कैसा मेकअप होना चाहिए।

गुण क्या हो?

इस प्रोफेशन में भी करियर बनाने के लिए कुछ विशेष गुणों की दरकार है। सबसे पहले उसमें विजुअलाइजेशन की क्षमता होनी चाहिए कि कौन सा स्टाइल या गेटअप किस पर फबेगा। उसे ऐसा रूप देना कि खुद को देख कर उसमें आत्मविश्वास भर जाए। कभी-कभी कई घंटों तक काम करना होता है, खासकर टीवी और फिल्म की शूटिंग के दौरान। शारीरिक और मानसिक रूप से उसका फिट होना बहुत जरूरी है, तभी वह अपने काम को सही-सही अंजाम दे पाएगा। आप में रंग और उसके असर की बारीक समझ होनी चाहिए। मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए आपका व्यवहार दोस्ताना होना चाहिए, तभी जिसका आप मेकअप करने जा रहे हैं, उसे बिना उबाए या थकाए उसका मनपसंद गेटअप आप उसे दे पाएंगे। इसके अलावा खुद भी आकर्षक दिखना जरूरी है। फैशन इंडस्ट्री में स्टाइल और ट्रैंड रोज बदलते हैं, इसलिए नई-नई तकनीक, हेयरस्टाइल्स और कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट के बारे में उसे अपडेट रहना होगा।

योग्यता क्या हो?

मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं है और न ही किसी प्रकार की योग्यता की। इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने स्कूल या कॉलेज में कौन सा विषय लिया था। बस आप में इस काम के प्रति लगाव होना चाहिए। अगर ऐसा है तो आपके लिए करियर की राहें आसान हैं। अगर 10वीं या 12वीं पास हैं तो और भी बेहतर।

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए आप ब्यूटीकेयर के अंतर्गत अन्य विषयों जैसे ब्यूटीशियन, मैनिक्यूरिस्ट, पैडिक्यूरिस्ट, इलेक्ट्रोलॉजिस्ट व अरोमा थेरेपी विषयों में स्पेशलाइजेशन कर सकते हैं। इसके अलावा आप किसी संस्थान से भी प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। संस्थानों द्वारा संचालित कोर्सेज के पाठयक्रम में एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, डाइट, सेल्समैनशिप व सैलून आर्गेनाइजेशन से संबंधित थ्योरी पढ़ाई जाती है। वहीं प्रैक्टिकल वर्क के रूप में फेशियल, डिफरेंट टाइप ऑफ मसाज, मेकअप व इलेक्ट्रिक ट्रीटमेंट सिखाया जाता है।

नौकरी के अवसर

वर्तमान में फिल्म व टेलीविजन इंडस्ट्री में मेकअप व हेयर ड्रेसिंग एक्सपर्ट की मांग बढ़ती जा रही है। इन एक्सपर्ट्स को फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिस्ट के नाम से जाना जाता है। बतौर फ्रीलांस भी इसमें हैं ढेरों काम। फैशन आर्गेनाइजर, ब्यूटी पार्लरों, सिलेब्रिटीज के लिए बड़े पैमाने पर काम है।

वेतन

इस क्षेत्र में आने वाले को बहुत ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ता। प्रशिक्षण और इंटर्नशिप के दौरान ही आपकी कमाई होने लगती है। शुरुआती सैलरी 8 से 10 हजार मिलती है, लेकिन 5 साल के भीतर आप हर महीने 30 हजार रुपये तक कमा सकते हैं। एक बार आपका नाम हो गया तो आकाश ही सीमा है। कुछ कलाकार साल में 5 लाख रुपये या इससे अधिक भी कमा लेते हैं। वहीं दूसरी तरफ विज्ञापन एजेंसी द्वारा शुरू की गई कैंपेन में एक दिन में ही आपकी कमाई 1500 से 3000 रुपये तक हो सकती है।

कहां-कहां हैं मौके?



फिल्म/ टीवी/ वीडियो/ रंगमंच/ फैशन/ विज्ञापन एजेंसियों में तो बेशुमार जॉब हैं ही, तेजी से खुल रहे न्यूज चैनलों में भी मेकअप आर्टिस्ट की डिमांड है। वर्तमान में फिल्म व टेलीविजन इंडस्ट्री में मेकअप व हेयर ड्रेसिंग एक्सपर्ट की मांग बढ़ती जा रही है। इन एक्सपर्ट्स को फिल्म इंडस्ट्री में आर्टिस्ट के नाम से जाना जाता है। फिल्म इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए आपको यह जानकारी होनी चाहिए कि स्टूडियो की चकाचौंध लाइट में एक्टर का मेकअप कैसे किया जाता है। बतौर फ्रीलांस भी इसमें हैं ढेरों काम। फैशन आर्गेनाइजर, ब्यूटी पार्लरों, सिलेब्रिटीज के लिए बड़े पैमाने पर काम है।



यूपीएससी हर साल सिविल सेवा में परीक्षा का आयोजन करता है। इनमें आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और आईआरएस पदों के लिए सबसे ज्यादा दावेदार होते हैं। इस परीक्षा को क्रैक कर आईएएस की तरह आईएफएस अफसर बनना भी बहुत बड़ी बात होती है। क्योंकि एक आईएएस जहां देश के अंदर कार्य करता है, वहीं एक आईएफएस ऑफिसर दूसरे देशों में देश का प्रतिनिधित्व करता है। इस आर्टिकल के माध्यम से आज हम जानेंगे कि आईएफएस ऑफिसर बनने के लिए क्या एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया चाहिए और इनका क्या काम होता है।

कौन और कैसे बन सकते हैं आईएफएस ऑफिसर

आईएफएस स्तर का अधिकारी देश का प्रतिनिधित्व अनेकों अंतर्राष्ट्रीय मंचो पर करता है। इनका दायरा एक आईएएस ऑफिसर से बड़ा होता है। क्योंकि जहां एक आईएएस जिले व देश तक सीमित होते हैं, वहीं एक आईएफएस देश स्तर पर अधिकारिक रूप में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओ और देशों के साथ काम करते हैं। इनके काम का असर सीधा देश पर पड़ता है। आईएफएस के लिए भी उम्मीदवारों का चयन सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से होता है, लेकिन आईएफएस की मुख्य परीक्षा का सिलेबस अन्य परीक्षाओं से अलग होता है। आईएफएस में आपको अंग्रेजी का ज्ञान होना बहुत जरूरी है क्योंकि एक आईएफएस ऑफिसर विभिन्न देशो के राजदूत, अधिकारी व नेताओं से बात करनी होती है तो इसके लिए अंग्रेजी भाषा का ज्ञान और बोलचाल में जरूरत होती है।

एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया

राष्ट्रीयता

आईएफएस ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवार की राष्ट्रीयता निम्नलिखित होनी चाहिए

- भारत के नागरिक हो
- नेपाल/भूटान की नागरिक हो
- वे तिब्बती शरणार्थी जो 1 जनवरी, 1962 से पहले स्थायी रूप से बसने के लिए यहाँ आए, या
- भारतीय मूल के वे लोग जिन्होंने भारत में स्थायी रूप से बसने के लिए युगांडा, बर्मा, पाकिस्तान, जाम्बिया, संयुक्त गणराज्य तंजानिया, मलावी, श्रीलंका, पूर्वी अफ्रीकी देशों केन्या, जायरे, इथियोपिया और वियतनाम से प्रवास किया।

शैक्षणिक योग्यता

- उम्मीदवार के पास किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री होनी चाहिए या समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।

आयु सीमा

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आधिकारिक अधिसूचना में यूपीएससी आयु सीमा 2022 की जानकारी जारी की गई है। आयु सीमा पात्रता मानदंड के अनुसार, 1 अगस्त 2022 को 21 से 32 वर्ष के बीच की आयु के लोग यूपीएससी एग्जाम में आवेदन पत्र भर सकते हैं। आरक्षित वर्ग के आवेदक यूपीएससी द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार आयु में छूट के पात्र होते हैं।

- एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए- 5 साल
- ओबीसी उम्मीदवारों के लिए- 3 साल।
- जम्मू और कश्मीर राज्य के उम्मीदवार के लिए- 5 वर्ष
- रक्षा सेवा कर्मियों के लिए- 5 वर्ष
- पूर्व सैनिक जिनमें कमीशन अधिकारी और ईसीओ/एसएससीओ शामिल हैं, जिन्होंने कम से कम 5 साल की सैन्य सेवा प्रदान की है और उन्हें रिहा कर दिया गया- 5 वर्ष
- नेत्रहीन, मूक-बधिर और विकलांग व्यक्तियों के लिए- 10 वर्ष

उम्मीदवार कितनी बार दे सकते हैं ये एग्जाम

- सामान्य श्रेणी के उम्मीदवार- 6 प्रयास
- एससी / एसटी के उम्मीदवार- कोई प्रतिबंध नहीं
- अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवार- 9 प्रयास
- सामान्य व ओबीसी दिव्यांग- 9 प्रयास

मेडिकल स्टैंडर्ड

इस परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले आवेदकों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। यूपीएससी सीएसई पर्सनालिटी टेस्ट के बाद चुने गए उम्मीदवार यूपीएससी द्वारा अधिसूचित चिकित्सा केंद्र में मेडिकल टेस्ट से गुजरते हैं। किसी भी सेवा में चयनित होने के लिए उम्मीदवारों को सभी मेडिकल टेस्ट पास करना होता है।

आईएफएस के कार्य

एक आईएफएस का काम उसके उसकी प्रोफाइल पर निर्भर करता है। विदेश में रह रहे भारतीयों की मदद वहां का भारतीय दूतावास करता है, जोकि एक आईएफएस का कार्य होता है। यही ऑफिसर राजदूत और राजनयिक के रूप में भी कार्य करते हैं। इनका मुख्य कार्य दोनों देशो के बीच अच्छे संबंध स्थापित करना और अन्य किसी प्रकार के वाद-विवाद को भी बातचीत के जरिए हल करना है। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे यूनाइटेड नेशन व अन्य प्लेटफार्म आईएफएस अधिकारी ही विदेशी मामलों में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसके साथ ही भारत की सुरक्षा व विदेशी नीति मामलों में भी इन्ही आईएफएस की मदद ली जाती है और ये अपने अनुभव से देश की विदेश सुरक्षा पॉलिसी में अपने विचार व ज्ञान का उपयोग करते हैं।





ऑडियो इंजीनियरिंग
नई पीढ़ी का उभरता हुआ करियर

ऑडियो इंजीनियरिंग भारत एवं विदेश दोनों जगह फिल्म, वीडियो प्रोडक्शन, साउंड ब्रॉडकास्टिंग एवं एडवर्टाइजिंग में संभावनाएं तलाशता है। इस फील्ड के लिए खुद से कमिटमेंट एवं इंटरेस्ट होना आवश्यक है।

म्यूजिक, साउंड रिकॉर्डिंग, म्यूजिक बिजनेस, मल्टीट्रैक प्रोडक्शन आदि कई ऐसे एरिया हैं, जिन्हें ऑडियो इंजीनियरिंग के तहत शामिल किया जाता है।

पर्सनल स्किल्स

एक ऑडियो इंजीनियर को टेक्निकल नॉलेज, इलेक्ट्रिकल एप्टीट्यूड, इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल सिस्टम एवं इक्विपमेंट की जानकारी होनी आवश्यक है। म्यूजिक प्रोडक्शन में टीम वर्क, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स आपके काम को गति दे सकते हैं। एकाग्रता, धैर्य, अच्छी समझ, अच्छी लय की जरूरत, अच्छी रिद्म जैसे गुण ऑडियो इंजीनियर के लिए आवश्यक हैं। साथ ही उसे रिकॉर्डिंग माध्यमों जैसे एनालॉग टेप, डिजिटल मल्टीट्रैक रिकॉर्डर एवं कम्प्यूटर नॉलेज की जानकारी भी सहायता दिला सकती है।

नौकरी के अवसर

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या डिग्री पहली सीढ़ी होती है। सफलतापूर्वक कोर्स करने के बाद मूवी, टेलीविजन, एडवर्टाइजिंग, मल्टीमीडिया संस्थान, ब्रॉडकास्टिंग, सीडी प्रोडक्शन आदि में जॉब पा सकते हैं। लेकिन एक ऑडियो इंजीनियर को जो फील्ड सबसे ज्यादा आकर्षित करती है, वह म्यूजिक इंडस्ट्री है। इसमें प्रारंभ में रिकॉर्डिंग इंजीनियर के सहायक के रूप में करियर आरंभ कर सकते हैं। अपने अनुभव के आधार पर जल्द ही वे ऑडियो इंजीनियर के पद पर पहुंच सकते हैं। इसके अतिरिक्त माइक्रोफोन, रिकॉर्डर, मिक्सर एवं सॉफ्टवेयर, म्यूजिक एवं स्पीच में कई तरह के काम सामने आते हैं। साउंड, म्यूजिक, डायलॉग, स्पेशल इफेक्ट्स, म्यूजिक प्रोड्यूसर को भी स्पेशलाइजेशन के रूप में अपनाया जा सकता है। म्यूजिक प्रोड्यूसर बनने के बाद खुद का रिकॉर्डिंग स्टूडियो भी शुरू किया जा सकता है। स्टूडियो स्थापित करने के अलावा ऑडियो इंजीनियर फीलांस के रूप में भी काम कर सकते हैं। ऑडियो इंजीनियरिंग का क्षेत्र काफी प्रतियोगी है। इसमें वही लोग सफल हो सकते हैं, जिनमें टैलेंट एवं विशेष गुण है।

सेलरी स्ट्रक्चर

बतौर ऑडियो इंजीनियर इनकी सेलरी 10,000 रुपए प्रतिमाह से शुरू होती है तथा मान्यता मिल जाने के बाद इनकी सेलरी में तेजी से इजाफा होता है। तीन से चार साल के अनुभव के बाद इनकी सेलरी 30-35 हजार रुपए तक पहुंच जाती है। विदेशों में जॉब के अवसर मिलने के बाद सेलरी की कोई निश्चित सीमा नहीं होती।

क्वालिफिकेशन

एक सफल ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए ऑडियोग्राफी, साउंड रिकॉर्डिंग एवं ऑडियो इंजीनियरिंग में डिप्लोमा अथवा डिग्री कोर्स का होना आवश्यक है। वैसे तो इस फील्ड में किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की दरकार नहीं होती, परन्तु ऑडियो इंजीनियरिंग में बैचलर अथवा पीजी डिग्री को वरीयता दी जाती है। जहां तक डिमांड की बात है तो ऑडियो इंजीनियर बनने के लिए फिजिक्स अथवा मैथ्स की आधारभूत जानकारी सहायक साबित होती है, जिसके दम पर वे रिकॉर्डिंग रूम में कई तरह की प्रतिध्वनि का आकलन कर सकते हैं। इसमें अधिक प्रैक्टिकल ज्ञान के आधार पर एक अच्छा ऑडियो इंजीनियर बना जा सकता है। जिन छात्रों के पास इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एवं फाइन आर्ट की पृष्ठभूमि रही है, वे भी इस कोर्स के लिए उपयुक्त साबित हो सकते हैं। साथ ही उन्हें रिकॉर्डिंग उपकरणों जैसे मिक्सिंग कंसोल्ड एवं माइक्रोफोन की जानकारी भी होनी चाहिए। इस कार्य में उन्हें डिजिटल ऑडियो स्टेशन, स्पीकर, एंप्लीफायर सहित कई अन्य म्यूजिक उपकरणों का प्रयोग करना पड़ता है।

कोर्स डिटेल्स

ऑडियो इंजीनियरिंग में साउंड रिकॉर्डिंग, एडिटिंग एवं मिक्सिंग के तकनीकी एवं रचनात्मक पहलुओं का बारीकी से अध्ययन किया जाता है। इसमें अधिकतर कोर्स की शुरुआत ही साउंड एवं रिकार्डिंग, पोस्ट प्रोडक्शन एवं ब्रॉडकास्टिंग की आधारभूत थ्योरी एवं फिक्वेंसी से की जाती है। इसके तकनीकी पहलुओं के अंतर्गत ही साउंड मिक्सिंग में स्पेशल इफेक्ट्स डाला जाता है। कोर्स के बाद छात्र रिकॉर्डिंग टूल्स, माइक्रोफोन के प्रयोग के बारे में अच्छी तरह से वाकिफ हो जाते हैं। इसके अलावा ऑडियो राइटिंग, इलेक्ट्रॉनिक



8 सब का सपना
हिंदी दैनिक
मनोरंजन
अमरोहा
बुधवार 11 नवम्बर 2026
www.sabkasapna.com

रवि दुबे ने 21 साल के लंबे इंतजार के बाद बड़े पर्दे पर रखा कदम

रवि दुबे ने नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म रामायण में लक्ष्मण का रोल अदा किया है. रवि दुबे को बड़े पर्दे पर देख उनकी पत्नी सरगुन मेहता के उत्साह का ठिकाना नहीं रहा है. सरगुन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने पति पर प्यार लुटाया है.



रवि दुबे और सरगुन मेहता टीवी जगत के सबसे पॉपुलर कपल्स में शुमार रहे हैं. दोनों की पहली मुलाकात टीवी सीरियल के सेट पर हुई थी. कई साल तक डेट करने के बाद कपल शादी के बंधन में बंधा. रवि और सरगुन अक्सर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के साथ लवी-डबी पोस्ट शेयर करते रहते हैं. दिवाली के मौके पर भी दोनों ने अपने कपल गोल्स वाली फोटोज शेयर की हैं. रवि और सरगुन ने धूम-धाम से दिवाली मनाई. उनकी खूबसूरत फोटोज चर्चा का विषय बनी हुई हैं.

फैंस इनपर दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं. सरगुन ने अपने इंस्टाग्राम पर रवि के साथ दिवाली सेलिब्रेशन की फोटोज शेयर की हैं जिनमें उनका पेट डॉग भी दिख रहा है. सरगुन ने ब्लू कलर का सूट पहना है जिसे उन्होंने पर्पल रंग की चुन्नी के साथ पेयर किया है. वहीं रवि दुबे ने व्हाइट रंग का सिंपल कुर्ता पहना था जिसमें वो काफी चार्मिंग लग रहे थे. एक तस्वीर में कपल को फुलझड़ी जलाते देखा जा सकता है. दोनों की शानदार केमिस्ट्री इन तस्वीरों में साफ झलक रही है. रवि दुबे और सरगुन की मुलाकात साल 2009 में टेलीकास्ट होने वाले सीरियल '12/24 करोल बाग' के सेट पर हुई थी. ये सीरियल सिर्फ एक साल ही टेलीकास्ट हुआ था लेकिन इसके सेट पर दोनों का प्यार परवान चढ़ा जो आज भी कायम है.

दिवाली पर बारिश में भीगते रहे रजनीकांत के फैंस



रजनीकांत के फैंस की दीवानगी का आलम ही कुछ और है। रविवार को दिवाली के मौके पर चेन्नई में बारिश हो रही थी। लेकिन बावजूद इसके सैकड़ों फैंस उनके घर के बाहर जमा थे। टस से मस नहीं हो रहे थे। ऐसे में जब थलाइवा फैंस से मिलने पहुंचे तो उनकी एक झलके बाद जो शोर मचा, वह देखने लायक है। दिवाली का दिन सुपरस्टार रजनीकांत के फैंस के लिए दोहरी खुशियां लेकर आया। एक तरफ त्योहार का जोरदार जश्न था, वहीं दूसरी तरफ थलाइवा ने घर के बाहर रविवार को सैकड़ों फैंस जमा हुए। काफी देर इंतजार के बाद चेन्नई में घर के बाहर तब जबरदस्त शोर और उमंग की लहर दौड़ पड़ी, जब रजनीकांत बाहर आए और फैंस से मिले। उन्होंने घर के दरवाजे के पीछे कुर्सी पर खड़े होकर फैंस का अभिवादन स्वीकार किया। सभी को दीपावली की बधाई दी। इस खूबसूरत मंजर का वीडियो सामने आया है, जिसमें फैंस का उत्साह देखने लायक है। रजनीकांत के फैंस के लिए यह दिवाली इसलिए भी खास है कि सुपरस्टार की फिल्म 'जेलर 2' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई है। 15 अक्टूबर 2026 को रिलीज इस सीक्वल फिल्म ने 26 दिनों में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 470.40 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है। जबकि रिकॉर्डतोड़ 827.00 करोड़ की वर्ल्डवाइड कमाई कर ली है। यह तमिल सिनेमा की पहली फिल्म है, जिसने दुनियाभर में 800 करोड़ की कमाई का आंकड़ा पार किया है।

उत्तराखंड परफॉर्मेंस विवाद पर दलेर मेहंदी ने तोड़ी चुप्पी

मैंने जो झेला, वो बता नहीं सकता...

'उत्तराखंड मेला' विवाद पर पहली बार दलेर मेहंदी ने अपनी बात रखी. उन्होंने कहा कि मैंने जो झेला, उसने मुझपर ऐसा असर डाला, जिसे बयान करना भी मुश्किल है. उन्होंने सपोर्ट के लिए सबका शुक्रिया किया. उत्तराखंड में मां कुंजापुरी टूरिज्म एंड डेवलपमेंट मेले में परफॉर्मेंस के दौरान हुए 'शराब और लिपसिंक' विवाद पर पहली बार सिंगर दलेर मेहंदी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है. दिवाली के खास मौके पर उन्होंने उस विवाद में सपोर्ट करने के लिए तमाम फैंस, फैमिली और फिल्म इंडस्ट्री के साथियों का शुक्रिया अदा किया है. उत्तराखंड के मंत्री सुबोध उनियाल ने कार्यक्रम के दौरान उनपर शराब पीकर परफॉर्म करने और खुद गाने की बजाय गानों पर लिपसिंक करने का आरोप लगाया था, जिसके बाद दलेर मेहंदी के भाई और सिंगर मीका सिंह समेत कई सितारों ने उनके लिए आवाज उठाई थी. इंस्टाग्राम पर जारी दो पन्नों के बयान में दलेर मेहंदी ने लिखा है, 'इस दिवाली मैं खास तौर पर आप सभी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं. जिस भी स्टेज पर मैं गया, मेरे संगीत की वजह से कई सालों से मुझे खूब प्यार मिला है, पर कुछ दिनों पहले मैंने जो झेला, उसने मुझपर ऐसा असर डाला है, जिसे शब्दों में बयान करना भी मुश्किल है.

'मैंने आपकी दुआओं को महसूस किया'

दलेर मेहंदी ने पोस्ट में लिखा है कि मैंने आपके संदेश पढ़े, आपकी बातें सुनीं और आपकी दुआओं को महसूस किया. इन सबके बीच मैं खुद को बेहद भाग्यशाली और आपका आभारी महसूस कर रहा हूं. आगे उन्होंने कहा कि इस पूरे वक्त में उनका परिवार उनकी सबसे बड़ी ताकत की तरह उनके साथ रहा. उन्होंने मीका सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि मेरा भाई मीका मेरे लिए एक ऐसी ताकत बनकर खड़ा हुआ, जिसका सामना करना आसान नहीं था. उन्होंने पोस्ट में अपनी पत्नी तरन, बेटे गुरदीप और बेटी रबाब, अजित और प्रभजोत की भी सराहना की. उनहोंने पोस्ट में लिखा, 'पूरी म्यूजिक और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री, भारत के कोने-कोने से मुझसे संपर्क करने वाले सभी लोगों, मेरे फैंस और पूरे देश का शुक्रिया. आपने मुझे प्यार, विश्वास और सम्मान का जो सरोपा दिया है, उसके लिए मैं आप सभी का आभारी हूं. '



सुनील ग्रोवर ने दीवाली पर सड़क किनारे बैठ बच्चियों संग बेची फूल-माला



सुनील ग्रोवर ने एक बार फिर अपने प्यारे जेस्चर से हर किसी का दिल जीत लिया है। उन्होंने सड़क किनारे तीन बच्चियों के साथ बैठकर फूल बेचा। मालाएं लेकर बैठे सुनील ग्रोवर की हर कोई तारीफ कर रहा है। कुछ लोगों ने तो उन्हें 'असली हीरो' भी कहा।

सुनील ग्रोवर ने बेचे फूल

एक्टर और कॉमेडियन सुनील ग्रोवर हमेशा ही अपनी किसी न किसी हरकत से फैंस का दिल जीत लेते हैं। एक बार फिर से दिवाली पर भी कुछ ऐसा ही हुआ और एक्टर ने फिर से अपने चाहने वालों का दिल जीत लिया। सुनील ग्रोवर ने दिवाली पर सड़क किनारे बैठकर फूल वाले दुकानदारों के साथ फूल बेचा। वो फूल-माला बेचने वाली छोटी बच्चियों संग बैठकर मालाएं बेचते हुए दिखे।

सुनील ग्रोवर ने जब से ये फोटो शेयर की है, फैंस उन्हें और भी अधिक पसंद कर रहे हैं। फूल बेचते हुए उन्होंने अपनी तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी दिवाली सबको।'

सुनील ग्रोवर के लिए फैंस का उमड़ा प्यार

फोटो पर उनके फैंस ने दिल खोलकर कमेंट्स किए और सबने तारीफ ही की। एक ने लिखा, 'एक ही दिल कितनी बार दिल जीतोगे भाई।' एक ने कहा, 'क्या चीज हो आप।' एक फैन ने कहा, वाह, 'आप कितने डाउन टू अर्थ हैं।' एक ने लिखा- आपका मुकाबला कोई नहीं कर सकता।

सुनील ग्रोवर की हिट मिमिक्री

सुनील ग्रोवर ने फिल्मों और OTT शो में अपने काम से बार-बार साबित किया है कि वे हर तरह के किरदार निभाने में माहिर हैं। हालांकि, जब भी वे 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के मंच पर आते हैं, तो एक जादू सा बिखेर देते हैं। सलमान खान, आमिर खान, नवजोत सिंह सिद्धू, कपिल देव, गुलज़ार और कादर खान जैसी कई मशहूर हस्तियों की बेहतरीन मिमिक्री करके दर्शकों को प्रभावित करने वाले सुनील ग्रोवर, इस बार पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में नजर आए।

अटल बिहारी वाजपेयी बनकर सुनील ने जीता दिल

शो के मेकर्स ने हाल ही में आने वाले एपिसोड का एक प्रोमो जारी किया, जिसमें सुनील पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के अंदाज में 'सरल बिहारी वाजपेयी' बनकर सामने आते हैं। जैसे ही वे मंच पर आते हैं, दर्शक, जज नवजोत सिंह सिद्धू और अर्चना पूरन सिंह, वहां मौजूद मेहमान उन्हें हैरानी और तारीफ भरी नजरों से देखते रह जाते हैं।

समय रैना ने मेधा शंकर संग मनाई दिवाली



समय रैना के फैंस कयास लगा रहे हैं कि क्या कॉमेडियन ने मेधा शंकर के साथ अपना रिश्ता ऑफिशियल कर दिया है, क्योंकि दिवाली पार्टी में दोनों एक साथ मौज करते दिखे। यहां तक कि स्काउट की गर्लफ्रेंड काशवी को भी समय के साथ देखा गया।

पार्टी में कई जाने-पहचाने चेहरे

इस पार्टी में मनोरंजन जगत और कॉमेडी की दुनिया के कई जाने-माने चेहरे शामिल हुए, जिनमें वरुण धवन, मुनव्वर फारुकी, आशीष चंचलानी, कीकू शारदा, सिद्धांत चतुर्वेदी, वीर पहाड़िया, जाकिर खान, शेरोन वर्मा और बिग बॉस 20 के कंटेस्टेंट स्काउटओपी की गर्लफ्रेंड काशवी हीरानंदानी समेत कई अन्य लोग मौजूद थे। इस पार्टी में मेधा को भी समय की मां, स्वीटी रैना के साथ देखा गया।

समय रैना की दिवाली पार्टी

स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना ने मुंबई स्थित अपने नए घर पर रखी दिवाली पार्टी की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वे '12वीं फेल' की एक्ट्रेस मेधा शंकर के साथ नजर आ रहे हैं। इन दोनों के डेट करने की अफवाहों के बीच यह तस्वीर सामने आई है। मेधा गहरे लाल रंग के अनारकली सूट में बहुत प्यारी लग रही थीं, जिस पर सुनहरे रंग का काम था; वहीं समय ने आइवरी रंग का कढ़ाई वाला कुर्ता और सफेद पजामा पहना था। समय ने पहले ही जश्न की कुछ झलकियां शेयर की थीं, जिनसे पता चला कि उन्होंने मुंबई में अपने नए घर पर दिवाली की एक छोटी सी पार्टी रखी थी। उन्होंने लिखा, 'मुंबई में अपने नए घर पर एक घरेलू दिवाली पार्टी रखी। इसमें मैंने अपने दोस्तों और उनके माता-पिता को भी बुलाया था, बहुत बढ़िया माहौल रहा।'



फराह खान ने फर्जी वीडियो रिपोर्ट्स पर लगाई जमकर फटकार, कहा– जिम्मेदार बनें !

फराह खान ने पर अपने घर में आग लगने की फर्जी खबरों पर फटकार लगाई है। फिल्ममेकर ने इंस्टाग्राम पर एक ऐसा ही वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके घर में आग लगने के फर्जी दावे किए गए थे। फराह ने दो टूक शब्दों में ऐसे रिपार्टस के लिए जिम्मेदार बनने' की सलाह दी है। बॉलीवुड की मशहूर फिल्ममेकर-कोरियोग्राफर और अब व्लॉगर फराह खान भड़क गई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल उन रिपोर्ट्स को सिरे से खारिज किया है, जिसमें दावा किया गया कि दिवाली के मौके पर उनके घर में आग लग गई है। 61 साल की फराह ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक ऐसे ही वीडियो को शेयर कर फटकार लगाई है। फराह ने साफ किया कि ऑनलाइन शेयर किए जा रहे ऐसे वीडियोज असल में एक निर्माणाधीन इमारत के हैं।

क्या टूटने से बचा चीची का रिश्ता ?



पत्नी सुनीता बोलीं- 40 साल पुरानी शादी क्यों नहीं टिकेगी

अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच का तनाव बीते दिनों काफी चर्चा का विषय रहा। कपल के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। मगर अब सुनीता ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान अपने रिश्ते को बचाने के बारे में काफी कुछ कहा।

रिश्ते पर क्या बोलीं सुनीता?

सुनीता आहूजा ने गोविंदा और उनकी को-स्टार पर अफेयर के आरोप लगाए थे। हाल ही में पिंकविला से हुई बातचीत में सुनीता ने कहा, 'यह 40 साल पुरानी शादी है, आखिर क्यों नहीं टिकेगी? सब ठीक है, वो वही कर रहे हैं, जो उन्हें पसंद है। मैं काम कर रही हूं और मेरा पूरा ध्यान काम पर ही है, लेकिन इस जन्म में हमें कोई कभी अलग नहीं कर सकता। बाकी, मैंने सब कुछ ईश्वर पर छोड़ दिया है. भगवान के अलावा मैं किसी से कुछ नहीं मांगती। उनके लिए और मेरे लिए जो भी सही होगा, भगवान हमारे साथ वही करेंगे।'



बच्चों को नहीं करना चाहती पिता से अलग

बीते दिनों सुनीता आहूजा ने टॉल टेल्स कोलकाता में सुनीता ने कहा, 'मैं ऐसी इंसान नहीं हूं, जो बच्चों से कहे कि वे अपने पिता को छोड़ दें। यह उनका अपना फैसला है। मेरा मतलब है, ऐसा कहना बेकार है क्योंकि वे उनके पिता हैं। उन्हें भी इस बारे में सोचना चाहिए। सिर्फ महिलाओं को ही क्यों सोचना चाहिए? महिलाएं डिप्रेशन में क्यों रहें?'



स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।